तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 26 अप्रैल 2026

10 नागरिक अस्पताल में पंचकर्मा केंद्र के लिए...

10 जिले को मलेरिया मुक्त बनाने की कवायद

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

जींद। गांव खरकड़ा के निकट तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव सींक निवासी रजत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। गांव खरकड़ा के निकट तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर चालक अपनी कार समेत मौके से फरार हो गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जींद। नरवाना के धरौदी रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव धरौदी निवासी रतन सिंह घरेलू सामान खरीदने के लिए बाइक के साथ रेहड़ी जोड़ कर नरवाना आया हुआ था। देर शाम को जब वह घर वापस लौट रहा था तो धरौदी रोड पर तेज रफ्तार तूड़े से लोड ट्रैक्टर ट्राली ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

सीमेंट, क्रेशर व सोने का ओम चोरी, एक नामजद

जींद। गांव धरौदी में बीती रात सीमेंट, क्रेशर तथा सोने को ओम चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव धरौदी निवासी मीना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात वह अपने घर में ऊपर सोई हुई थी। रात को चोरों ने बीस कट्टे सीमेंट, 120 फूरट क्रेशर तथा सोने का ओम चोरी कर लिया। घटना का सुबह उस समय पता चला जब वह सोकर उठी और कट्टे, क्रेशर तथा सोने का ओम गायब मिला।

नेटबाल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल आज

जींद। 19वीं सब जूनियर हरियाणा स्टेट नेटबाल चैंपियनशिप (लड़के और लड़कियां) 19 से 20 जून तक हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई सोनीपत में किया जा रहा है। नेटबाल एसोसिएशन आफ पंचकूला की महासचिव प्रिया कौशिक ने बताया कि चैंपियनशिप में पंचकूला की दोनों वर्ग टीम भाग लेंगी। राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पंचकूला की दोनों वर्ग में टीमों के लिए ओपन ट्रायल 26 अप्रैल को शाम पांच बजे स्पेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल पिंजौर पंचकूला में होगी।

युवती से बदसलूकी, दो के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव साहनपुर में युवती की जबरन चाबी निकालने तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गांव साहनपुर निवासी एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह स्कूटी पर सवार होकर घर लोट रही थी। गांव के मोड़ पर गांव के ही जयभगवान तथा रामेश्वर ने उसकी स्कूटी को रोक लिया और जबरन चाबी निकाल ली। जब उसने विरोध किया तो आरोपितों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। राहगीरों ने बीच बचाव कर उसकी स्कूटी की चाबी दिलवाई।

युवक की हत्या करने के दो आरोपी गिरफ्तार

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के नंदगढ़ गांव में युवक की हत्या करने के दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी ताकि पुछताछ की जा सके। मृतक के भाई सतबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका भाई 40 वर्षीय चांद 22 अप्रैल को सुबह घूममने के लिए रामकेश उर्फ कैच्ची व मोहित उर्फ डोन के साथ घर से बाहर गया था। जब उसका भाई सायं तक घर वापस नही आया तो उसने अपने भाई की गांव में काफी तलाश की लेकिन उसका भाई चांद कहीं पर नही मिला।

पुरानी सब्जी मंडी बूस्टर की केबल में आया फाल्ट

सप्लाई बाधित से भीषण गर्मी में पानी के लिए मचा हाहाकार

अधिकारी समस्या को दूर करने के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे

मोटर पर लगा पंखा एक वर्ष बाद भी रिपेयर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

पुरानी सब्जी मंडी के बूस्टर की केबल में शनिवार को फाल्ट आ गया। इससे सुबह की सप्लाई बाधित हुई। एक समय पानी की सप्लाई बाधित होने से और भीषण गर्मी के कारण पानी के लिए हाहाकार मच गया। लोग सुबह ही पानी के बारे में जानने के लिए बूस्टर के चक्कर लगाते नजर आए। पुरानी सब्जी मंडी का बूस्टर सालों पुराना है। इस बूस्टर की हालत ग्रामीण बूस्टर की हालत भी बदतर है। यहां पर तारें काफी जर्जर हालत में है। बड़ी मोटर लगी होने के कारण कई बार लोड के चलते बूस्टर के अंदर की मोटर जल चुकी है। यहां तैनात आपरेटर समस्या के बारे में एसडीओ से लेकर एक्सईएन तक को अवगत करवा चुके हैं। इसके अलावा जन स्वास्थ्य विभाग की यूनियन भी बूस्टर की समस्या के बारे में अधिकारियों को अवगत करवा चुकी है लेकिन अधिकारी समस्या को दूर करने के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे। यहां तैनात आपरेटर की माने तो पिछले साल मोटर के ऊपर लगा पंखा खराब हो गया था। इसे ठीक करने के लिए उतारा गया था। जिसे अभी तक नहीं लगाया गया। अब उमस भरी गर्मी में हर बार यहां लगी केबल में बार-बार फाल्ट आता है लेकिन अधिकारी इसका कोई स्थायी समाधान नहीं कर रहे हैं। जींद शहर के आधे से ज्यादा पुराने हिस्से में पेयजल की सप्लाई इसी बूस्टर से होती है। शहर के बाजार, दखनिया मंदिर समेत अन्य हिस्सों में पेयजल इसी बूस्टर से पहुंचता है लेकिन इस बूस्टर को आधुनिक बूस्टर बनाने में अधिकारी कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। शहर के लोगों का कहना है कि उनका विश्वास जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से उठ चुका है। क्योंकि वे जनहित की समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। सन्नी, सतीश, ललित, अंकुश आदि ने कहा कि इस बार विधायक जब भी खुला दरबार लगाएंगे वे खुद जाकर इस बूस्टर को आधुनिक बूस्टर बनाने की वकालत करेंगे।

पुरानी सब्जी मंडी का बूस्टर जिसमें फाल्ट के कारण पेयजल सप्लाई नहीं हुई।

अधिकारी कर चुके बूस्टर का दौरा

जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ और एक्सईएन इस बूस्टर का दौरा कर चुके हैं लेकिन इसके बावजूद यहां हालात नहीं बदले हैं। वही जर्जर तारें और बार-बार इनमें फाल्ट लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। यहां पर जर्जर तारों और अन्य समस्याओं का मामला जन स्वास्थ्य विभाग की कर्मचारी यूनियन ने एसडीओ और एक्सईएन के सामने उठाया था। इसके बाद विभाग के अधिकारी यहां समस्या जानने पहुंचे थे। शनिवार सुबह बूस्टर में लगी केबल में फाल्ट हो गया। जिसे समय पर ठीक नहीं करने के चलते सुबह की सप्लाई शहर में नहीं हो पाई। इसके अलावा कई बार यहां तैनात आपरेटरों की जान पर भी बन चुकी है और उन्हें कई बार करंट लग चुका है। वह लिखित में भी अधिकारियों को यहां के हालात सुधारने के लिए दे चुके हैं लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है।

मामला संज्ञान में, जल्द होगा समाधान

एसडीओ कर्मवीर सिंह के अनुसार मामला उनके नोटिस में है। जल्द ही समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

सीवन। दोपहर के समय मुख्य बाजार में पसरा सन्नाटा। *फोटो :हरिभूमि*

तेज गर्मी और लू से धीमी पड़ी कारोबार की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

लगातार बढ़ते तापमान और भीषण लू ने सीवन क्षेत्र में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात यह हैं कि दोपहर के समय सड़कों से लेकर बाजारों तक सन्नाटा पसरा नजर आता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग जरूरी काम भी सुबह या शाम के समय ही निपटाने को मजबूर हो गए हैं। सुबह 8 से 11 बजे तक बाजारों में सामान्य हलचल देखने को मिलती है, लेकिन जैसे ही दोपहर करीब 12 बजे लू के तेज थपेड़े शुरू होते हैं, बाजारों में अचानक भीड़ कम हो जाती है। यह स्थिति शाम करीब 5 बजे तक बनी रहती है, जिसके बाद तापमान थोड़ा कम होने पर ही बाजारों में रौनक लौटती है।

स्थानीय दुकानदारों विक्की आहूजा, साहिल आनंद, संजू, रमेश वर्मा, अजमेर, अशोक आनंद, राहुल, जितेंदर, पप्पू रहेजा का कहना है कि इस भीषण गर्मी का सीधा असर उनके कारोबार पर पड़ रहा है। दिन के समय ग्राहक न के बराबर आते हैं, जिससे बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। कई दुकानदारों ने बताया कि अब उनका पूरा व्यापार सुबह और शाम के कुछ घंटों तक ही सीमित रह गया है। दोपहर के समय दुकानों पर बैठना भी मुश्किल हो जाता है, क्योंकि गर्म हवा और तेज धूप से हालात बेहद असहज हो जाते हैं। व्यापारियों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से आय में लगातार कमी देखी जा रही है। खासकर कपड़ा, जूते और अन्य गैर-जरूरी वस्तुओं की दुकानों पर ग्राहक काफी कम हो गए हैं। वहीं, ठंडे पेय पदार्थ, जूस और आइसक्रीम की दुकानों पर जरूर थोड़ी बहुत मांग बनी हुई है, लेकिन वह भी पूरे दिन के नुकसान की भरपाई नहीं कर पा रही।

बैंक से 9.90 लाख रुपये गायब बैंक मैनेजर समेत पांच नामजद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

- रात को चला शराब का दौर, उसके बाद गायब हुआ नकदी से भरा बैग

उचाना में बैंक मैनेजर के पूर्व ड्राइवर के नौ लाख 90 हजार रुपये गायब हो गए। उचाना थाना पुलिस ने पूर्व ड्राइवर की शिकायत पर बैंक मैनेजर समेत पांच लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बीड़ बाबरान हिसार निवासी अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दो महीने पहले बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा उचाना के मैनेजर मोनिल के पास ड्राइवर था। उस बैंक में उसका खाता भी है। गत 23 अप्रैल को उसने बैंक मैनेजर मोनिल को रुपयों की जरूरत बताई। चैक भर कर देने के बाद मैनेजर ने नौ लाख 90 हजार रुपये गिन कर बैग में रख दिए। फिर बैग कैश काउंटर पर रख कर उसे ऊपर बने कमरे में ले गया। जिसके बाद वह, मैनेजर मोनिल, बैंक कर्मी कुलदीप, नरेश, मकेश, अनिल छत पर बैठ कर शराब पीने लगे। कुलदीप बैग को ऊपर ले आया और नरेश ने उसे कमरे में रख दिया। जिसके बाद वह खाना खाने ढाबे पर चले गए। वापस लौटने पर कुछ देर बात करने बाद मैनेजर मोनिल तथा वह कमरे पर पहुंचे। जब बैग को संभाला तो नगदी वाला बैग गायब मिला। बैग खोल कर भी छानबीन की, उनके साथ शराब पीने वाले कर्मियों के साथ संपर्क साध कर बैग के बारे में पूछा लेकिन बैग का कोई सुराग नही लगा। पुलिस ने अजय की शिकायत पर मैनेजर मोनिल, कर्मी कुलदीप, नरेश, अनिल, मुकेश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निवेश के नाम पर एयरफोर्स कर्मी से 16.40 लाख ठगे

- स्टॉक में निवेश करने पर दिखाया गया था अच्छा मुनाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

साइबर ठगों ने एयरफोर्स में डयूटीरत कर्मी को निवेश करने पर अच्छे मुनाफे का झांसा देकर 16.40 लाख रुपये का चूना लगा दिया। शिकायत के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव दनौदा खुर्द निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एयर फोर्स में डयूटीरत है। गत 27 नवंबर को उसने इंस्टा पर विज्ञापन देखा था। जिसने एक व्हाट्सअप गुरप में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे जुड़ने के बाद लिंक के माध्यम से उसे दूसरे गुरप से जोड़ा गया। जिसके एडमिन सुभाष अग्रवाल तथा अन्या मेहरा थे। जो गुरप में हर रोज स्टाक की जानकारी शेयर करते थे। जो दावा करते थे कि हर रोज शेयरों का दस से बीस प्रतिशत रिर्टन करते हैं। जिसके बाद उसने निवेश के लिए वेबसाइट पर पंजीकरण करवाया। 12 मार्च को उसने पचास हजार का निवेश किया। उसे उसने 60 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। उसकी आईडी वायलेट में मुनाफा भी अच्छा दिया गया। गत नौ फरवरी तक वह 16.40 लाख रुपये निवेश राशि जमा करवा चुका था। जब उसे राशि को निकालने की कोशिश की तो वह निकले। जिसके बाद गुरप के सभी मैसेज बद हो गए। प्ले स्टोर से उस एप को भी हटा दिया गया। जिस पर उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने सुमित की शिकायत पर अज्ञात लोगो के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर थाना के जांच अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि उन्हें पोर्टल पर धोखाधड़ी की शिकायत मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर थमाया फर्जी वीजा

कैथल। गांव गढ़ी पाडला में एक युवक को ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 5 लाख की ठगी कर ली। आरोपी ने रुपए लेने के बाद उसे ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा दिया, लेकिन न तो विदेश भेजा और न ही पैसे लौटाए। उल्टा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर कैथल सदर थाना पुलिस ने एक एजेंट के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव गढ़ी पाडला निवासी पवन ने बताया कि वह विदेश जाकर नौकरी करना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात कवारतन निवासी आरिफ के माध्यम से प्रभजोत सिंह से हुई। प्रभजोत ने खुद को विदेश भेजने का अधिकृत एजेंट बताया और सितंबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया भेजने का भरोसा दिलाते 26 लाख रुपये मांगे थे।

आग बुझाकर दमकल कर्मियों ने निभाया नैतिक फर्ज

- एसबीआई बैंक के जनरेटर में लगी आग, बाजार के बीच बैंक होने से बड़ा हादसा होने से टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना शहर के सबसे भीड़ वाले डाकघर रोड पर स्थित एसबीआई बैंक के मेन गेट पर रखे जनरेटर में अचानक आग लगने से बैंक के साथ-साथ आसपास क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। जनरेटर के अंदर डीजल का टैंक होने के चलते बड़ा हादसा होने का डर लोगों में बन गया। बैंक से कुछ दूरी पर स्थित फायर ब्रिगेड के कच्चे कर्मचारी हड़ताल पर थे। आग लगने की सूचना मिलने पर हड़ताल पर होने के बावजूद भी 12 कर्मचारी बैंक में आग बूझाने पहुंचे। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ी है लेकिन वो मौके पर नहीं थी। यहां पर दुकानदारों, राहगीरों के सहयोग से दमकल विभाग कर्मियों ने आग पर काबू पाया। पुायर आपरेटर सुरेश जनरेटर में लगी आग को बुझाने के लिए जनरेट की खिड़की खोले लगा तो आग से उसका हाथ झुलस गया। कई देर की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि आग लगने से जनरेटर जलकर राख हो गया।

फायर आपरेटर उचाना सुरेश कुमार ने बताया कि जो बैंक का कर्मचारी आग की सूचना देने आया था। मानव सेवा को देखते हुए बैंक गेट पर सभी 12 कर्मचारी पहुंचे। वहां आरओ पानी की गाड़ी बाजार में आई हुई थी। उसका सहारा लिया जो आस पड़ोस के लोगों, दुकानदारों की सहायता से आग बुझाई गई। जो जनरेटर है वो तो बिल्कुल खत्म हो चुका है। जब जनरेटर खिड़की खोली तो वहां आग से उसका हाथ झुलस गया। हाथ में सुजन भी आई है जिसमें अब कुछ आराम हुआ है। सरकार से मांगों लेकर हम दमकल कर्मी हड़ताल पर चल रहे है। हड़ताल का 18वां दिन है ऐसे में हम फायर पर नहीं जा रहे है लेकिन जैसे हमें बताया गया कि गेट के पास जो जनरेटर रखा है उसमें आग लगी है बैंक बाजार के बीच में है। अंदर के कुछ ऑडिट के कर्मचारी है जो फंसे हैं। आग अगर ज्यादा फैल जाती है तो वो कर्मचारी अंदर फंसे रहने से कोई घटना घट सकती है।

उचाना। आग पर काबू पाते हुए फायर ब्रिगेड कर्मचारी।

ट्रक, मिठाई की दुकान व फानों में लगी आग

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिले में अलग-अलग स्थानों पर एक ट्रक, मिठाई दुकान व फानों में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था।

ईक्कस के निकट ट्रक में लगी आग, मचा हडकंप

टायरों से भरे ट्रक जो गुजरात से जींद शहर की तरफ आ रहा था। गांव ईक्कस के निकट शनिवार को बरवाला रोड पर अचानक से ट्रक में आग भड़क उठी। चालक तत्काल ट्रक से बाहर निकलने में कामयाब हो गया और स्थानीय लोगों की मदद से आग की सूचना पुलिस तथा फयर ब्रिगेड को दी। आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और ट्रक में लगी आग पर काबू पाया। अहतियात के तौर पर बरवाला रोड पर गुजरने वाले वाहनों को भी रोका गया ताकि कोई हादसा न हो।

लगी आग, मचा हड़कंप

आशरी गेट स्थित शर्मा स्वीट्स के ऊपर बने कमरे में शुक्रवार रात आग लग गई। आग लगने से आसपास क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आसपास लोगों की मदद से आग पर काबू पाया।

गेहूं के फानों में लगी आग

गांव कालवा से गंगोली रोड पर गेहूं के फानों में शनिवार को आग लग गई। लगभग 20 एकड़ में हवा की तेज गति के कारण आग फैल गई। हालांकि ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। बाद में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची।

कुल 8 प्रत्याशी चुनावी मैदान में, 28 तक लिए जा सकेंगे नाम वापस

ढांड सरपंच उपचुनाव: अंतिम दिन 6 प्रत्याशियों ने भरा पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

ग्राम पंचायत ढांड में सरपंच पद के उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन शनिवार को 6 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके साथ ही अब कुल नामांकन पत्रों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। नामांकन के दौरान पूर्व सरपंच स्वर्गीय जंगशेर सिंह नंबरदार के भतीजे महेंद्र सिंह बाली ने अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए बलिदानी केहर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ढांड स्थित मतदान केंद्र पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पूर्व महेंद्र सिंह बाली व उनके समर्थकों ने विद्यालय परिसर में स्थापित बलिदानी केहर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। निर्वाचन अधिकारी राजीव काजल ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम दिन महेंद्र सिंह, रणदीप सिंह, रणधीर सिंह, रजनीश, राकेश कुमार और बलबीर सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किए। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व दो प्रत्याशी पहले ही नामांकन कर चुके हैं, जिससे कुल नामांकन पत्रों की संख्या 8 हो गई है। उन्होंने आगे बताया कि 27 व 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद 28 अप्रैल को ही शाम 3 बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

महेंद्र सिंह बाली ढांड के सरपंच पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते।

10 मई को डाली जाएंगी वोट

वहीं, प्रत्याशी महेंद्र सिंह बाली ने ग्रामीणों से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें जनता का आशीर्वाद मिला, तो वे अपने चाचा, पूर्व सरपंच स्वर्गीय जंगशेर सिंह नंबरदार के अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार द्वारा घोषित उपचुनाव के तहत 10 मई को प्रदेशभर में मतदान कराया जाएगा, जिसके अंतर्गत ढांड में भी वोट डाले जाएंगे।

ई-रिक्शा चालक से मारपीट कर छीने 95 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

उचाना क्षेत्र के गांव घोघड़ियां में कुछ युवकों ने ई रिक्शा चालक के साथ मारपीट कर उससे 95 हजार रुपये की नगदी छीन ली और फरार हो गए। उचाना थाना पुलिस ने एक युवक को नामजद कर के कई अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उचाना थाना पुलिस को दी शिकायत में घोघडिय़ां गांव निवासी 45 वर्षीय सतपाल ने बताया कि वह ई रिक्शा में करियाणा की दुकान का सामान सप्लाई करने का काम करता है। 22 अप्रैल दोपहर बाद वह करसिंधू की तरफ से घोघड़ियां आ रहा था। जब वह गांव के जलघर के नजदीक पहुंचा तो पीछे से बाइक सवार तीन युवकों ने उसकी ई रिक्शा को टक्कर मार दी। जब वह रिक्शा रोक कर देखने लगा तो तीनों ने उसे थप्पड़ व मुक्के और लोहे की वस्तु से मारना शुरू कर दिया। तभी एक दूसरी बाइक पर दो और लड़के आ गए और पांचों ने मिल कर उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की। जिससे वह बेहोश हो गया। आसपास महिलाओं और दूसरे लोगों ने उसे हमलावरों से छुड़वाया। जिसके बाद पांचों आरोपित अपनी बाइकों पर सवार होकर भाग गए।

खबर संक्षेप

महिला से अश्लील इशारे पर दो नामजद

जींद। सदर थाना नरवाना इलाके में महिला से अशील हरकत करने तथा धमकी देने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ अशील हरकत करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सदर थाना नरवाना इलाका गांव की महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब वह अपने प्लाट में जाती है तो उसके पड़ोसी विशाल तथा उसका पिता रोहताश अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और अशील इशारे करते हैं। जब उसने विरोध किया तो आरोपितों ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

छात्तर सब यार्ड में लगाया भंडारा

उचाना। छात्तर सब यार्ड में आढ़तियों द्वारा हवन कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि की कामना की। हवन के बाद भंडारा भी लगाया गया। प्रधान राजा मोर ने निरंतर हवन, भंडारे का आयोजन छात्तर सब यार्ड पर किया जाता है। इस मौके पर सतबीर शर्मा, ओमदत्त शर्मा, विजय, राजू मोर, अनिल कंदौला, संजय ढिल्लो, टिंकू पूनिया, राजेश, रणबीर, हरिकेश, रामनिवास, नरेश, आशु, दरवेश नैन, जीवन वर्मा, रतन सिंह, सुखविंद्र, सोनू शर्मा, सूबे सिंह मोर, परमवीर मौजूद रहे।

बच्चों ने किया गुरुद्वारा का शैक्षिक भ्रमण

जींद। दालमवाला पब्लिक स्कूल की नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों ने गुरूद्वारा का एक शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया जिसमें बच्चों ने श्रद्धापूर्वक मत्था टेका और आध्यात्मिक वातावरण को अनुभव किया। दालमवाला पब्लिक स्कूल इस प्रकार के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण का समय-समय पर आयोजन करता रहता है। इस प्रकार के भ्रमणों से बच्चों में दूसरे स्थानों पर जाने और वहां के बारे में जानने को भी मिलता है। गुरुद्वारे में उपस्थित ग्रंथी जी द्वारा विद्यार्थियों को सिख धर्म की मूल शिक्षाओं सेवाए समानता एवं मानवता के विषय में सरल एवं प्रभावी ढंग से अवगत कराया गया।

रंजिशन हमला करने पर छह नामजद

जींद। गांव छात्तर में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव छात्तर निवासी देवीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी उसकी गांव के ही ओमप्रकाश परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते ओमप्रकाश परिवार ने उसे पर हमला कर दिया। जिसमें उसे काफी चोटें आई। उचाना थाना पुलिस ने देवीराम की शिकायत पर ओमप्रकाश, गोबिंद, अनूप, शानो देवी तथा एक अन्य के खिनाफ मामला दर्ज किया है।

इंस्टा पर युवती पर किए गंदे कामेंट्स, मामला दर्ज

जींद। युवती के इंस्टाग्राम अकाउंट पर गंदे कामेंट्स करने तथा विरोध करने पर युवती को धमकी देने पर जुलाना थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ आईटी एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।

जुलाना थाना इलाका गांव की एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका इंस्टाग्राम पर अकाउंट है। गत 26 मार्च को जींद निवासी रिषभ ने उसकी पोस्ट पर गंदे कामेंट्स किए।

इंडी गठबंधन का असली चेहरा आया सामने : रेदू

उचाना। भाजपा नेत्री कमलेश रेदू ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए एक खुशी का पल लेकर आया। 17 को सदन में बिल नहीं गिरा बल्कि नारियों की आंखों में इंडी गठबंधन के नेताओं का सम्मान गिरा है। विपक्ष मंच पर आधी आबादी का नारा बुलंद करते हैं और चुनावों से पहले महिलाओं को लेकर लोकलुभावने वादे करते हैं लेकिन जब महिला की राजनीतिक भागीदारी की बात आती है तो बिल पारित नहीं होने देते हैं। कहा कि राहुल गांधी के इशारे पर और उनके सहयोगी विपक्षी दल ने नारी शक्ति अधिनियम बिल को रोक कर देश की महिलाओं के अधिकार को छीनने का काम किया है।

आयुष महानिदेशक की कमेटी की जांच के बाद जारी हुआ पत्र

नागरिक अस्पताल में पंचकर्मा केंद्र के लिए चार कमरों की व्यवस्था करवाने के निर्देश

कमेटी ने 10 अप्रैल को अस्पताल का किया था दौरा

व्यवस्था नहीं होने तक पालीक्लीनिक में ही चलेगा पंचकर्मा केंद्र

पंचक्रम केंद्र, जो शुरू होने का नाम नहीं ले रहा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्वास्थ्य व आयुष विभाग के बीच चल रही खींचतान लगातार जारी है। आयुष महानिदेशक ने सीएमओ को पत्र जारी करते हुए कहा कि वह नागरिक अस्पताल में पंचकर्मा केंद्र के लिए चार कमरे उपलब्ध करवाएं। जब तक कमरों की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक पंचकर्मा केंद्र पॉलीक्लीनिक में चलता रहेगा। इसी पत्र का हवाला देते जिला आयुर्वेद अधिकारी ने सिविल सर्जन को पत्र लिख कर कहा कि पंचकर्मा केंद्र चलाने के लिए जिन चार थेरेपिस्टों की ड्यूटी उन्होंने नागरिक अस्पताल में लगाई है, उनकी ड्यूटी पॉलीक्लीनिक स्थित पंचकर्मा केंद्र में लगाएं। इसी पत्र का हवाला देते प्रधान चिकित्सा अधिकारी ने जिला आयुर्वेद अधिकारी को पत्र लिख कर सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय में बैठक करने को कहा है ताकि कमरों की व्यवस्था को लेकर कोई निर्णय लिया जा सके। दोनों ही विभाग आपस में पत्राचार में उलझे हैं लेकिन पंचकर्मा केंद्र बंद होने के कारण मरीजों को हो रही परेशानी के बारे में कोई नहीं सोच रहा। ऐसे में अब देखना होगा कि केंद्र के लिए नागरिक अस्पताल में चार कमरे उपलब्ध होते हैं या फिर पंचकर्मा केंद्र पालीक्लीनिक में ही चलेगा। आयुष निदेशालय की तरफ से एनएचएम इंचार्ज की तरफ से जिला आयुर्वेद अधिकारी के नाम जारी पत्र में कहा गया है कि पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने 10 अप्रैल को नागरिक अस्पताल का दौरा किया था। इसके अलावा पालीक्लीनिक का भी टीम ने दौरा किया था। कमेटी की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि नागरिक अस्पताल में जहां पर आयुष विभाग चल रहा है वहां पर पंचकर्मा केंद्र के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। पत्र में सिविल सर्जन से अनुरोध किया गया कि वह नागरिक अस्पताल में पंचकर्मा केंद्र के लिए अतिरिक्त चार कमरों की अनुमति दें। पत्र में यह भी साफ तौर से कहा गया है कि जब तक नागरिक अस्पताल में पंचकर्मा केंद्र के लिए उचित स्थान उपलब्ध नहीं हो जाता या उसका निर्माण नहीं हो जाता तब तक नागरिक अस्पताल में कार्य कर रहे चार पंचकर्मा थेरेपिस्ट व अटेंडेंट को तुरंत प्रभाव से पालीक्लीनिक के पंचकर्मा केंद्र में कार्य करने के आदेश दिए जाते हैं। इसके अलावा जिला आयुर्वेद अधिकारी को निर्देश दिए जाते हैं कि वह इस विषय पर कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार सिविल सर्जन या प्रधान चिकित्सा अधिकारी से निजी स्तर पर संपर्क करके उपरोक्त विषय पर की कार्रवाई की सूचना अधोहस्ताक्षरी को भेजना सुनिश्चित करें।

मरीजों को हो रही परेशानी

जब से चार थेरेपिस्ट व एक अटेंडेंट की ड्यूटी नागरिक अस्पताल में लगी है, तभी से मरीजों की थेरेपी बंद है। ऐसे में दोनों विभागों की आपसी खींचतान के कारण मरीजों को नुकसान हो रहा है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा भी मरीजों की परेशानी को लेकर दोनों विभागों के अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं। इसके बावजूद भी पंचकर्मा केंद्र शुरू नहीं हो पाया है। पंचकर्मा केंद्र एक अप्रैल से ही बंद पड़ा है। अब आयुष निदेशालय की तरफ से जारी किए गए पत्र के बाद लोगों को उम्मीद जगी है कि इस मामले का पटाक्षेप हो जाएगा लेकिन जिस प्रकार दोनों ही विभाग एक-दूसरे को पत्र लिख रहे हैं, उससे लगता नहीं कि यह विवाद यहीं रुक जाएगा।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी ने बैठक के लिए लिखा पत्र

प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुबीर पूनिया ने जिला आयुर्वेद अधिकारी डाए अमित रोहिला को पत्र जारी करते हुए सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय में बैठक करने के लिए बुलाया है ताकि उनको नागरिक अस्पताल में चार कमरे मुहैया करवाए जा सकें। उन्होंने बैठक के लिए सोमवार को 11 बजे का समय निर्धारित किया है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. अमित रोहिल्ला ने कहा कि नागरिक अस्पताल में कमरों की व्यवस्था में कुछ समय लग सकता है। इसलिए पंचकर्मा केंद्र के कर्मचारियों की ड्यूटी पंचकर्मा केंद्र में लगाने के लिए सिविल सर्जन को पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया है। सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय में बैठक को लेकर पत्र मिला है। सोमवार को उनको हाईकोर्ट जाना है। इसलिए बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते। पंचकर्मा केंद्र में कर्मचारी नहीं होने से मरीजों की थेरेपी नहीं हो रहीए इस कारण मरीजों को परेशानी हो रही है।

दो लाख 50 हजार 178 मीट्रिक टन का उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने गेंहू खरीद के लिए कार्य कर रही सभी सरकारी एजेंसियों व इस कार्य से जुड़े सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद कार्य सुचारू रूप से जारी है। लिहाजा अनाज मंडियों में खरीदए उठानए गेट पास एवं बारदाना से जुड़ी कोई भी समस्या न आए इसके लिए समय-समय पर निगरानी करते रहें। उन्होंने खरीद एजेंसियों से कहा कि खरीदे गए गेहूं का समयबद्ध उठान सुनिश्चित किया जाए। मंडियों में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए साफ.-सफाई, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने किसानों से आग्रह किया है कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडियों में लेकर आएं। जिससे खरीद प्रक्रिया में तेजी बनी रहे और किसी तरह की रुकावट उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने बताया कि गत दिवस तक जिले में कुल छह लाख 95 हजार 447 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा दो लाख तीन हजार 932 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा दो लाख 88 हजार 992 मीट्रिक टन, एफ सीआई द्वारा छह हजार 525 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउस कॉरपोरेशन द्वारा एक लाख 95 हजार 998 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। मंडी वार आंकड़ों के अनुसार उचाना मंडी में 77 हजार 974 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा में 54 हजार 427 मीट्रिक टन, जींद में 90 हजार 821 मीट्रिक टन, अलेवा में 33 हजार 933 मीट्रिक टन, सफीदों में 67 हजार 937 मीट्रिक टन, जुलाना में 77 हजार 787 मीट्रिक टन तथा नरवाना में 75 हजार 51 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न खरीद ऐजेंसियों द्वारा 25 हजार 178 मीट्रिक टन गेंहू की लिफिटिंग की जा चुकी है। जिसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 61 हजार 385 मीट्रिक टनए हैफेड द्वारा एक लाख 11 हजार 381 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउस द्वारा 73 हजार 884 मीट्रिक टन तथा एफसीआई द्वारा तीन हजार 528 मीट्रिक टन गेंहू का उठान करवाया गया है।

जिले को मलेरिया मुक्त बनाने की कवायद

- स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने दर्जनभर से अधिक कालोनियों में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर प्रदेश को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शहर की दर्जनभर से अधिक कालोनियों में जागरूकता अभियान चलाया। वहीं पर स्कूलों में जाकर बच्चों को मलेरिया व डेंगू बुखार के अलावा महिलाओं में होने वाली बच्चेदानी के कैंसर के बचाव हेतू एचपीवी टीकाकरण की जानकारी भी दी गई। फिलहाल जिला है मलेरिया मुक्त, एक भी मामला नही आया सामने जिला स्वास्थ्य निरक्षिक राममेहर वर्मा ने बताया कि इस वर्ष अभी तक मलेरिया को केवल एक ही मामला सामने आया है। जबकि पिछले वर्ष 2025 में मलेरिया का केवल एक मामला दर्ज हुआ था। इसके अलावा पिछले वर्षों का आंकलन करें तो वर्ष 2024 में तीन, 2019 में तीन, 2018 में 17, वर्ष 2017 में 27, वर्ष 2016 में 17, वर्ष 2015 में 45, वर्ष 2014 में 51, वर्ष 2013 में 322, वर्ष 2012 में 771, वर्ष 2011 में 656, वर्ष 2010 में 583, वर्ष 2009 में 3607, वर्ष 2008 में 6558, वर्ष 2007 में यह आकंडा 7235 रहा था। जबकि वर्ष 2020 से 2023 तक जिला मे कोई मलेरिया का मामला सामने नही आया था। यदि सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन आने पर मरीज को तुरंत अपने आसपास के स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास ले जाकर खून की जांच करवाने के उपरांत ही उपचार लेना चाहिए। सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली के निर्देशानुसार जिला स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मलेरिया से बचाव के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत घर-घर जाकर प्रचार व प्रसार किया।

मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से मलेरिया बुखार

- विश्व मलेरिया दिवस पर जिलाभर में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते डिप्टी सिविल सर्जन डा. विजेंद्र ढांडा।

मलेरिया खत्म करने के लिए थीम अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा पर जिला जींद में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष पर पूरे जिलें में धरातल स्तर पर लोगों को मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए सेमिनार, रैलियां, नुकड़ सभाएं एवं प्रतियोगिताएं (स्लोगन, पेंटिंग, क्विज) आयोजित करवाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डा. सुमन कोहली ने की । जबकि डिप्टी सीएमओ मलेरिया डा. विजेंद्र ढांडा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएम श्री राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जुलाना मे एमओ डा. साहिल, रमेश कुमार नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यम में डिप्टी सीएमओ मलेरिया डा. विजेंद्र ढांडा ने आमजन, बच्चों को मलेरिया रोग, के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों ने मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए नाटक रूपांतरण बड़े ही अनोखे ढ़ंग से प्रस्तुत किया। डा. विजेंद्र ढांडा ने लोगों को भारत देश को मलेरिया मुक्त करने के अभियान में उपस्थित लोगों को जागरूक करने के दोरान शपथ दिलवाई। उन्होंने बताया कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है। जोकि दूषित पानी मे अपना जीवनचक्र पूरा करता है। मलेरिया में सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार आता है। इसके बाद गर्मी लगती है और पसीने के साथ बुखार उतर जाता है। पूरे शरीर मे थकावट रहती है। हर रोज या एक दिन छोड़ कर या तीसरे दिन बुखार आना मलेरिया हो सकता है। डा. विजेंद्र ने बच्चों को बताया कि बुखार आने पर तुरंत रक्त की जांच करवानी चाहिए व अपना नियमित इलाज लेना चाहिए। बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि सुबह शाम शरीर को कपड़ों से पूरी तरह ढक कर रखें। अपने घरों के आसपास पानी एकत्रित न होने दें। सप्ताह में एक दिन ड्राई डे अवश्य मनाएं। अगर आसपास पानी खड़ा है तो उसमें काला तेल डाल दें।

जींद। बेटी का जन्मदिन मनाते हुए।

बेटी के जन्मदिन पर जरूरतमंदों को खिलाया खाना

जींद। शनिवार को नरेश बैरागी निवासी वजीरपुर गोहाना अपना रोटी रथ जींद के भंडारा स्थल पर अपनी बेटी निधि के पांचवें जन्मदिन को जरूरतमंद बच्चों के बीच मनाने पहुंचे। वो अपने साथ पांच क्विंटल आटा लेकर आए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मुकेश राठौड़ ने बताया कि नरेश बैरागी निरंतर पांच वर्षों से अपनी बेटी निधि का जन्मदिन अपना रोटी रथ पर मना रहे हैं और अब तक लगभग 25 क्विंटल आटा दान कर चुके हैं। बेटी के जन्मदिन पर ऐसा परोपकार करना अपने आप में बहुत बड़ी बात है और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। जिससे समाज में बेटियों का मान सम्मान बढ़ेगा और समाज में जागरूकता आएगी। इस अवसर पर संस्था ने निधि व उनके पिता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और बच्चों में मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर नरेश बैरागी ने समाज से अपील की है कि समाज में ज्यादा से ज्यादा बेटियों के जन्म दिन मनाएं जाएं और उनको मान सम्मान दिया जाए। इस अवसर पर विनोद राजपूत, तेलूराम, सुशील शर्मा, राजींदर आदि संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

लू से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

- तापमान बढ़ने से उल्टी, दस्त के मरीजों की संख्या में भी इजाफा
- अपने घर में पंखा, कूलर, एसी का इस्तेमाल करने क आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

तापमान में हो रही बढ़ोतरी से उससे बचने के लिए नागरिक अस्पताल एसएमओ डॉ. सुशील गर्ग ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तापमान बढ़ने से उल्टी, दस्त के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। हर रोज नागरिक अस्पताल में 400 के आस-पास ओपीडी हो रही है। दोपहर के समय जरूरी हो तो ही घरों से बाहर निकलने की सलाह देने के साथ-साथ विभिन्न सलाह आमजन को दी है ताकि चलने वाली से बचाव हो सकें। डॉ. सुशील गर्ग ने बताया कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा रहा हैं लू से बचने के लिए घरों में जो तरीके अपना जाते है वो करें। घर में पंखा, कूलर, एसी का इस्तेमाल करें, पूरे बाजी के कपड़े डाले ताकि गर्मी के साथ मच्छर का प्रकोप बढ़ जाता है उनसे बचा जा सकते है। ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों का सेवन करें। खाने पीने का विशेष ध्यान रखे। खाने-पीने में कभी बासी खाना, पहले बना हुआ खाना, बाहर का बना खाना न खाएं। नशे से भी बचे, धूम्रपान, अलकोहल गर्मी के अंदर समस्या को बड़ा देते है। लू लगने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। घरों में नींबू पानी पीएं, ओआरएस का प्रयोग कर सकते है जो सरकारी अस्पतालों में मुफ्त बांटे जाते है। लस्सी, दही सहित अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें।

राजकीय कॉलेज में छात्रों को नशा के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अलेवा के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को नशा विरोधी सैल द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता नशा विरोधी सैल प्रभारी चांद राम ने की। इसमें मुख्य तौर पर प्राचार्य मुनीष कुमार ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है। नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि नशा करने वाले व्यक्ति के पूरे परिवार के भविष्य को अंधकार में धकेल देता है। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों बारे लोगों को जागरूक करते हुए समाज से इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए संकल्प लेना होगा। युवा शक्ति के बिना समाज में फैली किसी भी बुराई को दूर करना असंभव कार्य है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा नशे का समाज से खत्म करने के लिए समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने नशे के मनोवैज्ञानिक व दुष्प्रभावों बारे विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ के अलावा काफी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

डिप्टी स्पीकर डा.मिड्ढा से मिले चिकित्सक, की शिष्टाचार भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसो (एचसीएमएस) के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा विस के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई व डॉक्टरों की समस्याओं पर प्रकाश डाला गया। एचसीएमएस की तरफ से जिला प्रधान डा. राजेश भोला, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डा. अभीक, वाइस प्रेसिडेंट डा. मनदीप सरोहा, जनरल सेक्रेटरी डा. विशाल, ज्वायंट सेक्रेटरी डा. मुनीष, डा. सुधीर मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने डा. मिड्ढा को चिकित्सा क्षेत्र की चुनौतियों, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुधार और डॉक्टरों के कार्यभार से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया। डिप्टी स्पीकर जो स्वयं चिकित्सा पृष्ठभूमि से आते हैं ने चिकित्सकों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉक्टर समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों को कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी। डा. मिड्ढा ने आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़े वैध मुद्दों पर सरकार सकारात्मक रुख अपनाएगी और जरूरी सुधारों के लिए प्रयास किए जाएंगे। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार तथा डॉक्टरों के कार्य वातावरण को सुधारने पर जोर दिया।

लड़के-लड़की का विवाह माता-पिता की सहमति से होना चाहिए : कंडेला

एक गांव व एक गोत्र में शादी पर रोक लगाई जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यकर्ताओं के साथ टेकराम कंडेला। फोटो :हरिभूमि

सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक एवं कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हरियाणा सहकारी निर्माण एवं प्रसंग के पूर्व चेयरमैन टेकराम कंडेला ने कहा कि एक ही गांव और एक ही गोत्र मे विवाह पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। क्योंकि यह हमारे समाज के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर देता है। एक ही गांव और गोत्र के लोगों के बीच भाई व बहन का रिश्ता होता है। इसके कारण समाज की स्थिति बिगड़ गई है। केंद्र और हरियाणा सरकार को इस कानून पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए। लड़के और लड़की का विवाह माता-पिता की सहमति से होना चाहिए। कंडेला ने कहा कि तीन या चार बच्चों के माता-पिता लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। जिसका उनके बच्चों और समाज पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस प्रथा पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के संबंध में, हरियाणा की खाप पंचायतें और सामाजिक संगठन सरकार का पूर्ण समर्थन कर रहे हैं। कंडेला ने कहा कि लोगों को शादियों पर बहुत कम खर्च करना चाहिए। कंडेला ने जनसंख्या पर बोलते हुए कहा है कि आज हमारे समाज के लोग एक बच्चे पर आधारित हो गए हैं। अगर अचानक किसी प्रकार की कोई दुर्घटना हो जाती है तो वह परिवार सदमे में चला जाता है। इसीलिए हर परिवार को दो या तीन बच्चों को जन्म देना चाहिए ताकि परिवार आगे भलीभांति बढ़ सके। कंडेला ने किसानों पर बोलते हुए कहा कि मोटी फसलों का लाभकारी भाव दे व एमएसपी पर फसलों को खरीदना चाहिए ताकि लोगों का मोटी फसलों की तरफ ध्यान हो सके और प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिल सके। कंडेला ने कहा कि जल ही जीवन है आने वाली पीढियां के लिए इसको बचा के रखना जरूरी है ताकि आने वाले पीढियां का जीवन सुरक्षित रहे इनके साथ फाउंडेशन के हरियाणा के कानूनी सलाहकार पवन ढुल व संगठन के पदाधिकारी बलकार ढुल आदि साथ थे।

खबर संक्षेप

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता शिविर

कलायत। विश्व मलेरिया दिवस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कलायत के नर्सिंग कालेज व पुराना बाजार स्थित राजकीय माध्यमिक स्कूल में जागरूकता शिविरों का मंच सजा। इसमें एमपीएचडब्लयू राजीव कुमार द्वारा मलेरिया उन्मूलन की शपथ दिलाई एवं मलेरिया के लक्षण, फैलाव, उपचार एवं बचाव के प्रभावी उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीएमओ व एसएमओ के निर्देश पर कलायत क्षेत्र में विभाग द्वारा मलेरिया के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व सीएम पर गुंडागर्दी जैसे आरोप निराधार

कलायत। कलायत विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी विनोद निर्मल ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजन लाल के संबंध में भाजपा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा की गई अमार्यादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। कहा कि जिस भाषा का इस्तेमाल सांसद रेखा शर्मा ने किया वह आपत्तिजनक, निराधार एवं मर्यादा के विपरीत है। इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग न केवल एक वरिष्ठ एवं जनप्रिय नेता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है बल्कि प्रदेश की राजनीतिक संस्कृति को दूषित करता है। कहा कि जो व्यक्ति इस दुनिया में नहीं है उनके प्रति इस तरह का ब्यान संस्कृति के खिलाफ है।

लावारिस हालत में मिले 2 नाबालिग बच्चे

कैथल। थाना शहर पुलिस ने लावारिस हालत में मिले दो नाबालिग बच्चों को 2 घंटे के भीतर उनके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की थाना शहर प्रभारी इंस्पेक्टर गीता की अगुवाई में एएसआई सुभाष की टीम को शनिवार दोपहर के समय 8 वर्षीय व 5 वर्षीय दो नाबालिग बच्चे लावारिस अवस्था में लि। उन्होंने बताया कि वे कैथल में मौसी के घर आए हुए थे, लेकिन भटक जाने के कारण यहां पहुंच गए। इस पर उन्हें परिजनों तक पहुंचा दिया गया।

अप्रैल के महीने में ही तपिश ने तोड़े रिकॉर्ड

राजौंद। अप्रैल में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों को जून की याद दिला दी है। सुबह से ही तेज धूप और दोपहर तक बढ़ता तापमान लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पंखे और कूलर भी राहत देने में नाकाम साबित हो रहे हैं। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। मजदूर, रिक्शा चालक और किसान वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है, जिन्हें तेज धूप में भी काम करना पड़ता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यदि अप्रैल में ही तापमान इतना बढ़ गया है तो मई और जून में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

कैथल। लगातार बढ़ रहे तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डीसी अपराजिता ने नागरिकों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि बढ़ता तापमान स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है, ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और खुद को लू के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखें।

परिजनों व शहर के लोगों ने पुलिस स्टेशन के समक्ष लगाया जाम

हादसा: कार की चपेट में आने से एक की मौत, दूसरा घायल

डीएसपी रोहताश कुमार के आश्वासन पर प्रदर्शनकारियों ने हटाया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

कलायत में रेलवे रोड पर रिटिगा कार की चपेट में आने से एक युवक की मौत व एक घायल होने की घटना को लेकर शनिवार को लोगों ने तीन घंटें से अधिक समय तक जोरदार प्रदर्शन किया। इससे पहले कार चालक परमित के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग करते हुए थाना परिसर में घटना से प्रभावित परिजनों व आम लोगों ने डेरा डालते हुए त्वरित कार्यवाही की मांग की। उपरांत प्रदर्शनकारियों ने रेलवे रोड पर पुलिस स्टेशन के समक्ष डेरा डालते हुए ठोस कार्यवाही होने तक प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान किया। स्थिति उस समय नाजुक हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने मृतक दुकानदार अनिल गोयल उर्फ राठी का शव पुलिस स्टेशन मुख्य द्वार के समक्ष रखकर अनिश्चित कालीन धरने का ऐलान कर डाला। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर डीएसपी रोहताश कुमार पुलिस टीम के साथ प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे।

डीएसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करेगा। इसके निर्देश थाना प्रबंधक सुभाष चंद्र को दिए गए हैं। जो बयान परिवार के लोगों ने पुलिस के समक्ष दिए हैं उसके तहत मामला दर्ज किया गया है। नामांकित आरोपी परमित के खिलाफ कार्यवाही जारी है। यदि इस मामले में कहीं और कुछ पहलु सामने आएंगे तो उसको ध्यान में रखते हुए भी कार्यवाही तय है। परिवार की महिलाओं ने अपने स्वयं के सिर पर हाथ रखकर डीएसपी से ठोस कार्यवाही का आश्वासन मांगा। डीएसपी ने सामाजिक परपंरा को महत्व देते हुए बहु-बेटी के तौर पर मृतक दुकानदार अनिल गोयल उर्फ राठी के परिवार की महिलाओं के सिर पर हाथ रखते हुए त्वरित कार्यवाही का विश्वास दिलाया। इस पर कई घंटें से प्रदर्शन कर रहे लोगों ने जाम को हटा लिया और शव के संस्कार के लिए श्मशान भूमि के लिए रवाना हो गए। जाम खुलने से पहले डीएसपी रोहताश कुमार के साथ प्रदर्शनकारियों की कई दौर की बातचीत चली।

कलायत। पुलिस स्टेशन के समक्ष जमीन पर बैठकर प्रदर्शनकारियों को समझाते डीएसपी रोहताश।

छोटे भाई की शिकायत पर मामला दर्ज

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में मृतक अनिल गोयल के छोटे भाई राजेंद्र कमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायकर्ता ने बताया कि उसका बड़ा भाई अनिल गोयल शादीशुदा है व तीन बच्चे है। जिनमें 2 लड़कियां व एक लडका है। बड़ा भाई रात्रि करीब 9 बजे अपने निजी काम के लिये मार्किट में था। उसके साथ मोटर साइकिल पर उसका दोस्त अमित कुमार भी था। वे कैची चौक की तरफ जा रहे थे। मेरा भाई मोटर साइकिल चला रहा था। इस दौरान कैची चौक की तरफ से एक सफेद रंग की रिटिगा गाड़ी बड़ी तेज रफतारी व लापरवाही गफलत से आई। गाड़ी ने गलत दिशा में जाकर मोटर साईकिल व मेरे भाई के पिछे आ रही मोटर साईकिल में टक्कर मारी। मेरे भाई की मोटर साईकिल सडक पर गिर गया। साथी वाली मोटर साईकिल भी मौका पर सडक पर गिर गई। इस सडक दुर्घटना में मेरे भाई अनिल कुमार व उसके पीछे बैठे अमित कुमार को काफी चोटें लगी थी।

मामले में त्वरित कार्रवाई तय

डीएसपी रोहताश कुमार ने बताया कि मृतक अनिल गोयल के भाई की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित तौर से मामला दर्ज किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी द्वारा घटना के संबंध में बयान लिए गए। जबकि जिस मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया उसे पुलिस ने मानते हुए कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। पुलिस कानून व्यवस्था व सडक सुरक्षा को लेकर गंभीर है।

गिरफ्तारी की मांग

डीएसपी के साथ मार्किट कमेटी चेयरमैन राजकिशन काका राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत, पार्षदों व गणमान्य लोगों ने प्रदर्शनकारियों से क्रमवार बातचीत करते हुए पूरे मामले की जानकारी ली। बातचीत के दौर में मुख्य रूप से समाज सेवी राधेश्याम प्रजापति, जीवन गर्ग, तनू गर्ग, विनोद कुमार, आरटीआइ एक्टिविस्ट बलजीत नायक, सतीश गर्ग, बिटू मित्तल, मुकेश मोबाइल, अशोक गर्ग, पवन कुमार व बड़ी संख्यां में मौजूद लोगों ने कहा कि शुक्रवार रात्रि को श्री कृष्णा गोल मार्किट के पास गंभीर हादसा हुआ। उन्होंने नामांकित आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने व तुरंत गिरफ्तार करने की मांग उठाई।

मई दिवस पर ब्लॉक स्तरीय सभा व प्रदर्शन करेंगे: रमेश

कैथल। बैठक में विचार विमर्श करते कर्मचारी नेता।

■ महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार लगातार बढ़ने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन व देश की 10 ट्रेड यूनियन व सयुंक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मई दिवस के मौके पर कैथल, चीका व कलयात ब्लॉक स्तरीय सभाऐ करके प्रदर्शन किए जाएंगे । इसकी तैयारियों को लेकर एसकेएस, सीटू ,किसान सभा व रिटायर्ड कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय मीटिंग फायर स्टेशन कैथल पर हुई जिसकी अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रमेश हरित ने की संचालन सीटू कैशियर जयप्रकाश शास्त्री ने किया।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उपप्रधान कपिल सिरोही, जिला प्रधान ओमपाल भाल, जिला सचिव व राज्य सहसचिव शिवचरण, जिला वरिष्ठ उपप्रधान छज्जू , सीटू के जिला प्रधान सत्यवान, सचिव नरेश कुमार रोहेड़ा, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान बसाऊ राम, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य महासचिव रामपाल शर्मा,फायर कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान राजेंद्र सीनंद, वन मजदूर यूनियन के राज्य प्रधान विजय शर्मा व आशा वर्कर यूनियन से जिला सचिव कविता ने मिटिंग मे कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि केंद्र व राज्य सरकार लगातार नई आर्थिक उदारीकरण की नितियो को तेज गति से आगे बढा रही है जिसके कारण लगातार महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार बढ़ रहा है अमीर व गरीब के बीच खाई और ज्यादा गहरी हुई है इनपे रोक लगाने की बजाय जनता का घ्यान जाति-धर्म के नाम पर बढने पर लगी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई के अनुसार 30- हजार वेतन लागू करने की बजाय मजदूर पर लाठिया भाजी जा रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जयप्रकाश टीक, पवन कुमार कसान, फायर से जिला प्रधान शमशेर सिंह ,मनोज कुमार राठी व विनोद कुमार ढांडा विशेष रूप से मौजूद रहे।

बी.कॉम विद्यार्थियों ने दी फेयरवेल पार्टी

■ भविष्य में महाविद्यालय की ओर से पूरा सहयोग का वादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय पूंडरी में बी.कॉम के विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शकुंतला सिंगला ने की। प्रिंसिपल ने अपने संबोधन में छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भविष्य में भी महाविद्यालय की ओर से उन्हें पूरा सहयोग मिलता रहेगा। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. विनय खुरानिया ने छात्राओं की प्रतिभा और शैक्षणिक क्षमता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिकाएं डॉ. अमिता राणा, डॉ. मीनू सिंगल, डॉ. गुरविंद्र कौर, सोनिया भार्गव, वैशाली, सपना बतान और भारती सैनी भी उपस्थित रहीं।

पूंडरी। कार्यक्रम में भाग लेतीं छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के बीच आपसी जुड़ाव को बढ़ाना और कॉलेज जीवन की यादों को संजोना रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ, जिसमें छात्राओं ने नृत्य व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फेयरवेल सेरेमनी रही, जिसमें जूनियर छात्राओं ने सीनियर्स को भावपूर्ण विदाई दी। अंत में छात्राओं ने अपने कॉलेज जीवन के अनुभव साझा किए और भविष्य में संपर्क बनाए रखने का संकल्प लिया।

राजौंद वार्ड-11 उपचुनाव : एकमात्र नामांकन से निर्विरोध जीत तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

शहर के वार्ड नंबर 11 में पार्षद पद के लिए होने वाले उपचुनाव के तहत नामांकन प्रक्रिया शनिवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन शाम 3 बजे तक केवल एक ही उम्मीदवार द्वारा नामांकन प्रस्तुत किया गया, जिससे इस वार्ड में निर्विरोध चुनाव की स्थिति बन गई है। मौके पर मौजूद रिटर्निंग अधिकारी कृष्ण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित समय सीमा तक मात्र एक नामांकन पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अब नियमानुसार आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और निर्धारित तिथि पर नामांकन पत्रों की जांच सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। गौरतलब है कि वार्ड नंबर 11 अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए आरक्षित है। वर्ष 2022 में हुए नगर निकाय चुनाव में इस वार्ड से राजवीर वाल्मीकि पार्षद निर्वाचित हुए थे। हालांकि, कुछ समय पूर्व बीमारी के चलते उनके निधन के बाद यह पद रिक्त हो गया था।

राजौंद। रिटर्निंग अधिकारी कृष्ण कुमार को नामांकन पत्र सौंपती स्वर्गीय पूर्व पार्षद राजवीर वाल्मीकि की पुत्री व अन्य।

पूंडरी। पक्षियों के लिए कसोरे वितरित करते सस्था के सदस्य।

पक्षियों के लिए 100 कसोरे वितरित किए

पूंडरी। पुंडरी के हाबड़ी मोड़ पर सामाजिक संस्था"एक किरण उम्मीद की' द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए पक्षियों के लिए दाना वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था की ओर से लगभग 100 कसोरे (पक्षियों के दाने के बर्तन) वितरित किए गए, ताकि भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को भोजन की कमी न हो और वे सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम में मुख्य सहयोगी के रूप में मुनीश मित्तल एवं राजकुमार वर्मा का विशेष योगदान रहा। दोनों ने न केवल इस नेक कार्य में सहयोग दिया, बल्कि स्थानीय लोगों को भी पक्षियों के प्रति संवेदनशील बनने और उनकी सेवा के लिए आगे आने हेतु प्रेरित किया। संस्था की अध्यक्ष निधि मोहन ने बताया कि गर्मी के दिनों में जल स्रोत सूखने और भोजन की कमी के कारण पक्षियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह छोटा सा प्रयास उनके जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना है।

किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विदाई समारोह, भावुक हुए विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

किठाना स्थित किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम में उत्साह और भावनात्मक माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। जूनियर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के साथ बिताए गए यादगार पलों को साझा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कॉलेज के चेयरमैन रामफल ढांडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "मिस फेयरवेल" और "मिस्टर फेयरवेल" का चयन रहा, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया गया।

राजौंद। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी व विजेताओं को सम्मानित करते प्रबंधन सदस्य।

न्यूज डायरी

प्रताप सिंह लगातार 5वीं बार निर्वाचित, बंटी मिठाई

कैथल। पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल के सदस्य पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता प्रताप सिंह के लगातार पांचवीं बार निर्वाचित होने पर यहां वकीलों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। प्रताप सिंह की जीत की खबर जैसे ही यहां पहुंची तो छुट्टी होने के बावजूद वकील बार परिसर पहुंचे और अपनी खुशी का इजहार किया। आपका बता दें कि प्रताप सिंह एक दफा बार कौंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के चेयरमैन रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे दो बार एडिशनल एडवोकेट जनरल और बार कौंसिल आफ इंडिया के सदस्य भी रह चुके हैं। वे इस समय भी ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के सचिव हैं। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान राजेन्द्र ढुल, पीएल भारद्वाज, रणबीर पाराशर, वेद प्रकाश ढुल, बलजिंद्र मलिक सहित एडवोकेट रश्मि ढुल ने बधाई दी है।

आरकेएसडी कॉलेज ने किया एमओयू

कैथल। आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल ने टेक्नोग्लोब आईटी सॉल्यूशंस प्रा. लि. कैथल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग, विद्यार्थियों की मेंटरिंग, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज, ज्ञानवर्धन कार्यक्रमों, इंटर्नशिप तथा परिणाम-आधारित प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इस समझौते के अंतर्गत विद्यार्थियों को आईटी क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और उद्योग से जुड़ी जानकारी प्राप्त होगी। इससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकेगा। प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने कहा कि उद्योग और शिक्षा जगत के सहयोग से विद्यार्थियों को बेहतर करियर अवसर प्राप्त होंगे।

ध्रुव पब्लिक स्कूल में इंडक्शन प्रोग्राम

पूंडरी। ध्रुव पब्लिक स्कूल में आज एक भव्य इंडक्शन प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए अभिभावकों को विद्यालय की कार्यप्रणाली, नीतियों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति से अवगत कराना रहा, ताकि वे अपने बच्चों की शिक्षा प्रक्रिया में बेहतर सहभागिता निभा सकें। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रिंसिपल प्रवीन ढिल्लो के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यालय की शिक्षा प्रणाली, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनाई जा रही विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विपक्ष पर लगाया महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप

भाजपा जिलाध्यक्ष ने 'नारी शक्ति वंदन' पर कांग्रेस को घेरा

17 अप्रैल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता था, लेकिन विपक्ष ने बिगाड़ दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल, कैथल में जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी की अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारियों एवं महिला मोर्चा की प्रतिनिधियों ने विस्तार से अपनी बात रखते हुए कांग्रेस एवं विपक्षी दलों पर महिलाओं के अधिकारों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि 17 अप्रैल का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता था, लेकिन विपक्ष की साजिश के चलते यह दिन एक काला दिन बन गया। उन्होंने कहा कि संसद में जो हुआ वह केवल एक विधेयक की हार नहीं थी, बल्कि देश की 70 करोड़ माताओं, बहनों और बेटियों के सपनों पर आघात था। स्पष्ट हो गया कि कौन महिला सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन उनके रास्ते में बाधा है। भाजपा कैथल महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनीता चौधरी ने कहा कि 60 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने महिलाओं को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया।

कैथल। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

कांग्रेस आम महिलाओं के खिलाफ

कैथल नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि विपक्ष नहीं चाहता कि गांव, गरीब और मध्यम वर्ग की महिलाएं संसद में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उनका पूरा राजनीतिक मॉडल कुछ परिवारों तक सीमित है, जहां केवल अपने परिवार की महिलाओं को आगे बढ़ाने की सोच है, जबकि देश की आम महिलाओं को अवसर देने के वे विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि 2010 में भी इसी तरह के बहानों का सहारा लेकर इस बिल को रोका गया था, जो विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। इस अवसर पर सुरेश संधू जिला महामंत्री भाजपा कैथल, अनीता चौधरी, हिमांशु गोयल जिला मीडिया प्रभारी, सुरभि गर्ग कैथल नगर परिषद चेयरपर्सन, बबीता प्रजापति, कमलजीत कौर, अक्षरा गुप्ता, रखी गोयल, साधना गर्ग व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिली जन कल्याण मंच की टीम

राजौंद। जन कल्याण मंच की पूरी टीम ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से शिष्टाचार मुलाकात कर सामाजिक व कृषि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में खेती की पारंपरिक पद्धतियों में बदलाव लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक किसान रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती की ओर नहीं बढ़ेगा, तब तक उसकी आय में स्थायी वृद्धि संभव नहीं है। प्राकृतिक खेती से जहां भूमि की उर्वरता बनी रहती है, वहीं उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है और लागत भी कम आती है। राज्यपाल ने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी खेती में विविधता लाएं और फलदार व फूलों के पौधे लगाकर अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करें। इससे किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

खबर संक्षेप

मोबाइल फोन छीना, मामला दर्ज

कैथल। थाना शहर कैथल पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने के आरोप में एक मामला दर्ज किया है। शिवनगर के आर्यन ने शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब 10 महीने पहले जब वह कैथल के रामलीला ग्राउंड के निकट से जा रहा था तो एक अज्ञात व्यक्ति उसका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। छीने फोन की कीमत करीब 5000 बताई गई है। सब इंस्पेक्टर सत्यवान ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत के कमरे से हजारों का सामान चोरी

कैथल। थाना राजौंद पुलिस ने चोरी का एक मामला दर्ज किया है। सोंगरी गांव के बलकार ने राजौंद पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोर 20 अप्रैल को रात के समय उसके मकान खेत में बने कमरे का दरवाजा तोड़ते हुए उसमें रखी इनवर्टर की बैटरी व अन्य सामान चुरा कर ले गए। सब इंस्पेक्टर रोहित ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसानों को बांटी हरी खाद की किट

कैथल। नाबार्ड के तत्वावधान में तथा ग्रामीण युवती विकास मंडल, चुहड़माजरा के सहयोग से जिला कैथल के चयनित पांच गांवों में चल रही विशेष परियोजना के तहत शनिवार को गांव फरल में किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय सतत आजीविका के लिए सामुदायिक नेतृत्व वाली कृषि पारिस्थितिकी (नॉन वाटरशेड आधार) रहा, जिसका संचालन संस्था संयोजक प्रदीप कुमार द्वारा किया गया। प्रमुख रूप से कप्तान राणा, अमरपाल राणा, नरेंद्र राणा, सूबे सिंह, कुलदीप सिंह, सतीश राणा और कंवरपाल राणा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गांव जाकर युवाओं को नशे के खिलाफ किया जागरूक

कैथल। नशे मुक्त हो जिला मुहिम के तहत समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान को तेज किया गया है। पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में जिलेभर में लगातार कार्यक्रम आयोजित कर विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस की नशा जागरूकता टीमों ने शनिवार को चीका, पोलड़, कल्लर माजरा, पीडल और गुहला में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। टीम में एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता और एसपीओ चांदी राम शामिल रहे।

राजकीय कॉलेज में 'स्व-गणना' विषय पर व्याख्यान

कैथल। राजकीय महाविद्यालय, धानौरी में आज 'स्व गणना' विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्व गणना के महत्व, प्रक्रिया तथा इसके सामाजिक एवं व्यक्तिगत उपयोगों के प्रति जागरूक करना था। प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि स्व गणना न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नागरिक अस्पताल में बढ़ेगी सुविधा, सिलेंडर भी भरे जा सकेंगे

ऑक्सीजन प्लांट में बूस्टर लगने का काम शुरू, आईसीयू में चल पाएगा वेंटिलेटर

वर्क ऑर्डर मिलने पर बूस्टर लगाने के लिए कमरे का निर्माण शुरू,पिछले पौने दो साल से बंद पड़ा है ऑक्सीजन प्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बूस्टर इंस्टॉल करने के लिए बनाया जा रहा कमरा। *फोटो : हरिभूमि*

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में नई बिल्डिंग के पास स्थापित किए गए पी ए स ए ऑ क्सी ज न प्लांट को शुरू करने के लिए लिए बूस्टर तो मिल गया था लेकिन इसे इंस्टॉल नही किया जा रहा था। हरिभूमि समाचार पत्र ने इस समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। समाचार प्रकाशित होने के बाद शनिवार को वर्क ऑर्डर मिलने के बाद बूस्टर इंस्टॉल के लिए काम शुरू हो गया है। प्लांट के पास ही साढ़े तीन बाय सात का एक कमरा तैयार किया जा रहा है। बूस्टर के लिए अर्थिंग, वॉल व फेंसिंग लगाई जाएगी। इस बूस्टर से प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन बूस्ट होगी और इसे पहले से ज्यादा प्रेशर से ऑक्सीजन प्वायंटों तक भेजा जा सकेगा। जिससे अस्पताल में आईसीयू भी चलाया जा सकेगा। इससे पहले पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से वेंटिलेटर नहीं चलाया जा सकता था। अब बूस्टर लगने के बाद इस प्लांट से वेंटीलेटर भी चलेगा। बाकायदा ऑक्सीजन सिलिंडर भी भरे जा सकेंगे।

खबर का असर

एक माह पहले मिला था बूस्टर

लगभग एक माह पहले अस्पताल को बूस्टर मिला था। इस बूस्टर के इंस्टॉल होने से ऑक्सीजन प्लांट से बनने वाली ऑक्सीजन बूस्ट होनी थी। बूस्टर इंस्टॉल न होने के चलते ऑक्सीजन प्लांट शुरू नही हो पा रहा था। शनिवार को संबंधित एजेंसी को वर्क ऑडर मिला और इसी के साथ ही लेबर के माध्यम से प्लांट के साथ ही एक कमरा बनवाना शुरू किया। जिसमें बूस्टर व अन्य उपकरण इंस्टॉल किए जाएंगे।

ऑक्सीजन प्लांट शुरू होने से अस्पताल को फायदा होगा : पीएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के लिए बूस्टर पहुंच गया है। अब प्लांट के पास ही कमरे का निर्माण करवाया जा रहा है। यहां बूस्टर के इंस्टॉल होने के बाद पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन का प्रेशर बढ़ जाएगा। प्लांट शुरू होने से अस्पताल को फायदा होगा।

2021 में पीएम केयर फंड से लगा था प्लांट

गौरतलब है कि कोरोना की लहर थी तब ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा आवश्यकता महसूस हुई थी। इसे लेकर अस्पताल में नई बिल्डिंग के सामने वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था। कुछ समय तक इस ऑक्सीजन प्लांट ने ठीक से काम किया लेकिन पिछले पौन दो साल से यह खराब है। इस ऑक्सीजन प्लांट की सर्विस होनी थी लेकिन स्वास्थ्य विभाग के पास बजट नही था। स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य निदेशालय से बजट की मांग की है लेकिन बजट मिल नहीं पा रहा था। बाद में इस प्लांट में बूस्टर लगाए जाने की योजना क्रियान्वित हुई ताकि पहले से भी अधिक क्षमता से यहां ऑक्सीजन बूस्ट हो सके।

नागरिक अस्पताल में लैब के पास लगा शेड, जांच रिपोर्ट लेने में मरीजों को नहीं होगी परेशानी

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में भीषण गर्मी के बीच मरीजों को लैब से अपनी जांच रिपोर्ट लेने के लिए मजबूर नही होना होगा। लैब के पास शनिवार को शेड लगवा दिया गया है। ऐसे में अब भीष्ण गर्मी और तेज धूप के बीच मरीजों को अपनी जांच रिपोर्ट लेने में कोई परेशानी नही होगी। गौरतलब है कि नागरिक अस्पताल में 14.91 करोड़ से रेनोवेशन कार्य चलाया जा रहा है। दो माह पहले रेनोवेशन कार्य की शुरूआत पुरानी बिल्डिंग के पीछे की तरफ पहुंची थी। तब यहां मौजूद लैब के पास लगे शेड को उतार दिया था। उम्मीद थी कि जल्द ही इस रेनोवेशन कार्य को पूरा किया जाएगा और शेड लग जाएगा। ठंड के मौसम में लोगों को परेशानी हुई तो यहां लगी कुर्सियों को नई बिल्डिंग के मुख्य गेट के पास लगा दिया गया था ताकि लोग यहां बैठ कर अपनी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर सके। अब गर्मी का मौसम शुरू हुआ और पारा 40 डिग्री पहुंच रहा है। ऐसे में बिना शेड के लोग भीष्ण गर्मी के बीच अपनी जांच रिपोर्ट लेते थे। सुबह के समय मरीज अपने सैंपल देने के लिए पहुंचते हैं लेकिन दोपहर में जब रिपोर्ट लेने का समय होता है। तब तेज धूप के बीच लंबी कतारों में खड़े रहना उनकी मजबूरी बन जाती है। अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 400 के आसपास विभिन्न प्रकार के टेस्ट किए जाते हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन रिपोर्ट लेने के लिए लैब के बाहर जमा हो जाते हैं। शैड नहीं होने के कारण सभी को धूप में खड़ा रहना पड़ता है। खासकर महिला मरीजों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को इस स्थिति में ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अदालत परिसर के पीछे बन रहे अंडरपास का काम अधूरा

जींद। अधर में लटका अंडरपास का कार्य।

- विभागों के बीच समन्वय की कमी के चलते नहीं हो पा रहा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अदालत परिसर के पीछे रेलवे लाइन के नीचे बन रहे अंडरपास का काम पिछले दो माह से बंद है। जिसके चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभागों के बीच समन्वय की कमी, सड़क किस विभाग के अधीन है इसे लेकर असमंजस और वन विभाग से पेड़ों की कटाई की मंजूरी लंबित होने के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

गत वर्ष रेलवे ने अंडरपास निर्माण के लिए रेलवे की ओर से काम शुरू कराया गया था लेकिन सड़क के अधिकार क्षेत्र को लेकर मामला उलझ गया। संबंधित सड़क किस विभाग के अधीन आती है, इसकी जानकारी के लिए कई बार पत्र लिखे जा चुके हैं लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नही मिला है। इस कारण निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका। वहीं इस मामले में जिला प्रशासन और रेलवे के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। अंडरपास निर्माण में सबसे बड़ी बाधा पेड़ों की कटाई भी बनी हुई है। निर्माण स्थल पर कई पेड़ आड़े आ रहे हैं, जिन्हें हटाए बिना आगे का कार्य संभव नहीं है। वन विभाग भी गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। जिसके कई बार संज्ञान में लाने के बावजूद अब तक पेड़ नहीं काटे गए हैं। ऐसे में कई बार पत्राचार और मौखिक स्तर पर बातचीत हो चुकी है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। लोगों को राहत मिलने की उम्मीदें फिलहाल अधर में लटक गई हैं। शहरवासियों के अनुसार अंडरपास बनने से रेलवे फाटक बंद होने पर लोगों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। करोड़ों की परियोजना विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ रही है। जिला प्रशासन, रेलवे और वन विभाग संयुक्त बैठक कर जल्द समाधान निकालेए ताकि दो माह से ठप पड़ा काम दोबारा शुरू हो सके।

डीसी कार्यालय से नहीं आई कोई प्रतिक्रिया

रेलवे के सेक्शन इंजीनियर जयभगवान ने बताया कि अंडरपास के लगते सड़क किस विभाग की है, उसकी जानकारी के लिए रेलवे की तरफ से डीसी कार्यालय को कई बार पत्र लिखा जा चुका है लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जानकारी हासिल होते ही तुरंत खुदाई का काम शुरू कर दिया जाएगा।

सांसद नवीन जिंदल की पहल पर 107 मरीजों ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का उठाया लाभ

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा जिन्दल हाउस, कैथल में जरूरतमंद मरीजों का फॉलो-अप किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में तैनात चिकित्सकों ने कुल 107 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया। आज मोबाइल मेडिकल युनिट में 87 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर परामर्श एवं निःशुल्क दवाईयां दी गई, जबकि 20 मरीजों के रक्त परीक्षण किए गए। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे 'स्वस्थ कैथल अभियान' के तहत यह मोबाइल मेडिकल यूनिट नियमित रूप से कैथल के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को संतुलित खान-पान, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना भी है।

एचपीवी वैक्सीन 14 से 15 साल की बालिकाओं का सर्वाइकल से करती है बचाव : डॉ. दीक्षा

अलेवा। एचपीवी वैक्सीन को लेकर समाज में फैली कुधारणा को लेकर नगूरां चिकित्सा प्रभारी डा. दीक्षा ने ग्राम पंचायत नगूरां तथा ग्रामीणों से पंचायत घर नगूरां में एक मिटिंग कर सीधा संवाद किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी ने पंचायत तथा ग्रामीणों को एचपीवी वैक्सीन को लेकर समझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने कोविड वैक्सीन के भ्रातियों पर नजर रखते हुए फिलहाल एचपीवी वैक्सीन लगवाने से मना कर विचार करने की बात कही। पंचायत तथा ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नगूरां चिकित्सा प्रभारी डा. दीक्षा ने कहा कि 14 से 15 साल की बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाती है। जबकि लोगों की धारणा है कि इस वैक्सीन से बालिकाओं में कुछ सालों के बाद बांझपन की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। जिस पर चिकित्सा अधिकारी ने ग्रामीणों की इस भ्रांति को दूर करते हुए कहा कि यह वैक्सीन गर्भाशय के मुंह के कैंसर से बचाती है और प्रजन्न क्षमता पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। यह वैक्सीन 2006 से विश्व के अनेक देशों में करीब 1.5 करोड़ बालिकाओं को लग चुकी है। जिसके कोई भी अब तक दुष्प्रभाव देखने को नही मिले हैं। उन्होंने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होने वाला गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर महिलाओं के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

गेहूं खरीद के नए नियमों से नहीं आई किसान व आढ़तियों को परेशानी : अत्री

- विपक्ष का भ्रामक प्रचार किसानों को कर रहा परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्रवीण शर्मा के निवास पर पहुंचे विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि जो गेहूं की खरीद को लेकर नए नियम थे उनसे किसी तरह की परेशानी किसान, आढ़तियों को नहीं आने दी गई। विपक्ष बार-बार इन नियमों को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहा था। जो नए नियम गेहूं खरीद के बनाए गए उसको लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए थे ताकि किसान दो से तीन मिनट के अंदर सभी प्रक्रिया पूरी कर मंडी में गेहूं उतार कर घर, खेत वापिस जा सकें। खुद भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता मंडियों में किसानों के बीच रहने के साथ ट्रैक्टर-ट्राली गेहूं की लेकर गेहूं बेचने पहुंचे ताकि नियमों को लेकर किसी तरह की परेशानी हो तो उन्हें पता चल सकें। खुद सीएम नायब सिंह सैनी, सभी मंत्रियों के अलावा विधायक मंडियों में पहुंचे ताकि किसान, आढ़तियों को किसी तरह की परेशानी हो तो उसको तुरंत दूर करवाएं। वे प्रवीण शर्मा के बेटे दीपक के विवाह में पहुंचे थे। पत्रकार वार्ता में विधायक ने कहा कि इस बार उचाना में गेहूं की खरीद भी बीते सीजन से अधिक हुई है।

क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर साइबर ठगी से रहें सतर्क: एसपी

कैथल। जिला पुलिस द्वारा आमजन को साइबर ठगी से बचाने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने जिलावासियों को आगाह करते हुए बताया कि साइबर अपराधी बैंक अधिकारी या कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि ठग कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का लालच देते हैं। शुरुआत में वे प्रोफेशनल तरीके से बात कर भरोसा जीतते हैं, इसके बाद कार्ड नंबर, ओटीपी, सीवीवी और जन्मतिथि जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कई मामलों में फर्जी लिंक भेजकर या ऐप डाउनलोड करवाकर मोबाइल का रिमोट एक्सेस भी ले लेते हैं। एसपी ने बताया कि जैसे ही ठगों को जानकारी मिलती है, वे कुछ ही मिनटों में खातों से पैसे निकाल लेते हैं।

5100 गज में बनने वाले खाटू श्याम मंदिर की आज रखी जाएगी नींव

उचाना। उचाना कलां के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में बनने वाले खाटू श्याम के विशाल भव्य मंदिर निर्माण का 26 अप्रैल को भूमि पूजन के बाद नींव ईंट रखी जाएगी। नींव ईंट रखने के लिए कोई बड़ा चेहरा नहीं आ रहा है बल्कि नींव ईंट श्रद्धालुओं के द्वारा रखी जाएगी। यहां पर कीर्तन में भजन गायक पूजा शाह पानीपत, पावनी खुराना हिसार, शिवम गोयल उचाना अपने गीतों से खाटू श्याम की महिमा का वर्णन करेंगे। मंच संचालन सोनू बंसल उचाना द्वारा किया जाएगा। उचाना हलके के 66 गांवों से इस दिन श्रद्धालु पहुंचेंगे। हर गांव में जाकर आयोजक कमेटी द्वारा निमंत्रण दिया गया है। पिछले कई महीनों से इसको लेकर जोर-शोर से तैयारी हो रही है। नींव की खुदाई वाली जगह पर हर रोज श्रृंगार कर फूलों से जय श्री श्याम लिखा जाता है।

हिंदू कन्या कॉलेज में कापी राइट नियम और चुनौतियां विषय पर हुई कार्यशाला

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में पुस्तकालय विभाग द्वारा पुस्तकालयों में कॉपीराइट नियम और चुनौतियां विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय से कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर आशीष कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में पुस्तकालय कॉपीराइट संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। आजकल सॉफ्टवेयर व डिजाइन चोरी होने के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। जिसमें कॉपीराइट उल्लंघन की संभावना बढ़ जाती है और असली लेखक को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान होता है पुस्तकालयों को भी डिजिटल सामग्री ऑनलाइन अपलोड करवाने के लिए कॉपीराइट धारकों की अनुमति लेनी पड़ती है। पुस्तकालयाध्यक्षा डा. पिंकी ने छात्राओं को बताया कि ओपन एक्सेस सामग्री मुफ्त होती है लेकिन सभी डिजिटल सामग्री मुफ्त नहीं होती है जिस कारण पाठक सदैव भ्रम की स्थिति में रहता है।

सिसला में उखाड़ी गई गलियों से पेवर ब्लॉक और ईंटे बेचने का आरोप, मामला दर्ज

कैथल। तितरम थाना पुलिस ने गांव सिसला के सरपंच समेत दो व्यक्तियों के खिलाफ सरकारी संपत्ति गबन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई गांव निवासी जसबीर सिंह की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी थी, जिसके आधार पर सरपंच तरसेम सिंह और मलकित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता जसबीर सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि सरपंच ने कुछ अधिकारियों से मिलीभगत कर गांव के विकास कार्यों के नाम पर पंचायत को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। उनके अनुसार, अच्छी स्थिति में मौजूद गलियों को समय से पहले उखाड़ दिया गया, जिससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हुआ। शिकायत में बताया गया कि उखाड़ी गई गलियों से पेवर ब्लॉक और लगभग 50 हजार ईंटें निकाली गईं। आरोप लगाया कि इस निर्माण सामग्री का एक हिस्सा सरपंच के समर्थकों में बांट दिया गया, जबकि बाकी सामग्री को बेचकर धनराशि हड़प ली गई।जसबीर ने बताया कि 7 अगस्त 2024 को एक व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली में पेवर ब्लॉक लेकर जा रहा था, जिसे उन्होंने मौके पर रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रॉली को कब्जे में लिया और तितरम थाना में डीडीआर नंबर 20 दर्ज किया।

एक शाम विवि के नाम कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मोहा अतिथियों का मन

जींद। सीआरएसयू विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एक शाम विश्वविद्यालय के नाम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वयं आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, गायन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शानदार संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों ने अपनी कला, आत्मविश्वास और ऊर्जा के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

छात्रों को दयानंद सरस्वती के कार्यों पर किया जागरूक

जींद। संत शिरोमणि श्री सैन भगत राजकीय महाविद्यालय जींद के इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा शनिवार को विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के उप प्राचार्य रणधीर सिंह खटकड़ की उपस्थिति रही। व्याख्यान की मुख्य वक्ता डा. रश्मि मलिक रहीं। उन्होंने आर्य समाज की स्थापना, उसके उद्देश्यों तथा महर्षि दयानंद सरस्वती के समाज सुधार कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश जैसी अमर कृति के माध्यम से वैदिक सनातन धर्म की शुद्धि, अंधविश्वास का खंडन, विधवा विवाह, बाल विवाह पर रोक स्त्री शिक्षाए छुआछूत का विरोध और राष्ट्रीय चेतना का प्रसार किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

बच्चों को पारंपरिक रूप से रटने की प्रवृत्ति से दूर ले जा रहा कार्यक्रम

क्लास रेडिनेस प्रोग्राम से बच्चों में आया आत्मविश्वास : राजेश

यह कार्यक्रम छात्रों में स्टीक ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता को करता है विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नही है बल्कि यह बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। इसी सोच को साकार रूप देने के लिए प्राथमिक विद्यालयों में चलाया जा रहा क्लास रेडिनेस प्रोग्राम आज बच्चों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार कर रहा है। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा प्रदान कर रहा है बल्कि उनमें सटीक ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता की भावना भी विकसित कर रहा है। क्लास रेडिनेस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पारंपरिक रटने की प्रवृत्ति से दूर ले जाकर उन्हें अनुभवात्मक शिक्षा से जोडना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर दिया जाता है। खेल, गीत, कहानी, चित्रकला, नाटक और समूह कार्य जैसी गतिविधियां बच्चों को न केवल आनंद देती हैं बल्कि उनमें सीखने की जिज्ञासा भी बढ़ाती हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस कार्यक्रम से बच्चों में झिझक समाप्त हो रही है। पहले जो बच्चे कक्षा में बोलने से कतराते थे, अब वे आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। यह बदलाव केवल शिक्षण पद्धति में सुधार का परिणाम नही है बल्कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। क्लास रेडिनेस प्रोग्राम के तहत बच्चों को समूहों में बांट कर विभिन्न जिम्मेदारियां दी जाती हैं। कोई समूह सफाई का ध्यान रखता है, कोई समूह पौधों की देखभाल करता है, तो कोई समूह दिन की गतिविधियों का संचालन करता है। इससे बच्चों में नेतृत्व की भावना विकसित होती है और वे जि मेदारी निभाना सीखते हैं। जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ का कहना है कि बच्चे मिट्टी के समान होते हैं, शिक्षक जैसा चाहे उन्हें अपने अनुसार ढाल सकता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 अप्रैल 2026

विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड
गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

गीत / कृष्ण बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तकः काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 26 अप्रैल 2026

केरल के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है एथडुआ पेरुनल उत्सव। केरल के लोकजीवन से जुड़े इस पर्व के प्रति कुछ अन्य राज्यों एवं विदेशी पर्यटकों के बीच भी काफी लगाव है। इस उत्सव से जुड़ी कुछ अनोखी-रोचक बातें आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक उत्सव

धीरज बसाक

धर्म-संस्कृति-सामाजिक समरसता का संदेश देता एडथुआ पेरुनल उत्सव

केरल की सांस्कृतिक पहचान सिर्फ इसके मंदिरों और पारंपरिक उत्सवों तक सीमित नहीं है। यहां के ईसाई समुदाय के पर्व भी उतने ही भव्य और जीवंत हैं तथा लोकजीवन से जुड़े हुए हैं। इन्हीं में से एक एडथुआ पेरुनल उत्सव है, जो मुख्यतः सेंट जॉर्ज को समर्पित है। इसे केवल केरल के महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक आयोजनों में ही नहीं गिना जाता बल्कि यह दूसरे दक्षिणी राज्यों के ईसाई समुदायों के साथ-साथ दुनिया भर के सांस्कृतिक पर्यटकों के लिए भी महत्वपूर्ण आयोजन है। एडथुआ पेरुनल उत्सव हर साल अप्रैल के अंत से मई की शुरुआत तक लगभग 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस साल यह 27 अप्रैल से 7 मई 2026 तक मनाया जाएगा।

हर दिन अलग-अलग आयोजन: इस उत्सव के दौरान चर्च परिसर और उसके आस-पास के पूरे क्षेत्र में एक विशाल मेले का आयोजन होता है। हजारों श्रद्धालु आस्था और श्रद्धा से इस उत्सव में भाग लेते हैं। बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पर्यटक भी इसका हिस्सा बनने के लिए देश-विदेश से आते हैं। उत्सव की शुरुआत विशेष प्रार्थनाओं और ध्वजारोहण से होती है। इसके बाद हर दिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान, जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम दिन का जुलूस या प्रोसेशन सबसे भव्य होता है, जिसमें सेंट जॉर्ज की प्रतिमा को सुसज्जित रथ पर निकालकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। इस उत्सव के दौरान एक तरफ प्राचीन अनुष्ठान होते हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक व्यवस्थाएं भी आयोजन का हिस्सा होती हैं।

आस्था एवं सामूहिक विश्वास का संगम: एडथुआ पेरुनल का धार्मिक महत्व भी खूब है, क्योंकि सेंट जॉर्ज के प्रति लोगों में बहुत श्रद्धा है। श्रद्धालुओं के मुताबिक इस उत्सव में भाग लेने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विशेषकर बीमारियों और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए लोग अपनी तरह-तरह की मन्नतें मांगते हैं और उनके पूरे होने पर सेंट जॉर्ज को धन्यवाद देने के लिए बार-बार इस उत्सव में शामिल होने का संकल्प लेते हैं। इसलिए यह पारंपरिक आयोजन व्यक्तिगत आस्था और सामूहिक विश्वास का भी संगम बन जाता है।

केरल की सांस्कृतिक विशिष्टता का दर्शन: एथडुआ पेरुनल, धार्मिक के साथ-साथ एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, इसलिए यह केरल की सार्वभौमिक सह-अस्तित्व की भावना को दर्शाता है। इसमें दूसरे कई उत्सवों की तरह सजे-धजे हाथियों के साथ जुलूस निकाला जाता है, जो केरल के विशिष्ट उत्सवों की सबसे खास पहचान है। लोग पारंपरिक संगीत और लोकनृत्य का लुत्फ उठाते हैं। स्थानीय बैंड, चर्च संगीत और लोकनृत्य इस उत्सव को विशिष्टता प्रदान करते हैं। इस उत्सव के दौरान रात के समय भव्य आतिशबाजी के नजारे भी देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी है महत्वपूर्ण: इस उत्सव का स्थानीय अर्थव्यवस्था के साथ भी एक बेहद गहरा और सकारात्मक रिश्ता है। उत्सव के दौरान अलग-अलग राज्यों एवं विदेशों से आए पर्यटक यहां की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। अलग-अलग आजीविकाओं से जुड़े लोगों को उत्सव के दौरान रोजगार प्राप्त होता है या विशेष आय प्राप्त होती है।

विविधता में एकता का संदेश: एडथुआ पेरुनल उत्सव की एक अनोखी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। यह उत्सव धार्मिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को आपस में जोड़ता है, विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर उत्सव मनाते हैं। ऐसे में यह एकता में विविधता का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यह उत्सव इस बात को भी दर्शाता है कि बहुरंगी भारतीय संस्कृति में गहरा साझा भाव भी है। केरल जैसे राज्य में जहां साक्षरता और सामाजिक जागरुकता उच्च स्तर पर है, ऐसे आयोजन समाज को अधिक मजबूत बनाते हैं। आज के समय में जब समाज में विभाजन और तनाव की खबरें अकसर आती रहती हैं, एडथुआ पेरुनल जैसे उत्सव हमें सकारात्मक संदेश देते हैं। यह उत्सव सिखाता है कि धर्म और संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यम हो सकते हैं, न कि उन्हें एक-दूसरे से अलग करने का।

कुल मिलाकर एडथुआ पेरुनल उत्सव सिर्फ धार्मिक भाव का पर्व नहीं है, यह आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह उत्सव केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिलता है। एडथुआ पेरुनल उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, वहीं यह भारतीय संस्कृति की उस व्यापक सोच का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो विविधता में एकता को सबसे बड़ा मूल्य मानती है। *

एडथुआ पेरुनल उत्सव की प्रमुख विशेषताएं

- यह अलप्पुझा (केरल) के एडथुआ गांव में मनाया जाता है और इसका मुख्य स्थल सेंट जॉर्ज फॉरेन चर्च है।
- यह हर साल 10 दिनों तक अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में मनाया जाता है।
- सेंट जॉर्ज को समर्पित इस सांस्कृतिक उत्सव की सबसे खास विशेषता है, इसका भव्य धार्मिक जुलूस। इस जुलूस में सजे-धजे हाथियों की परेड देखने को मिलती है, साथ ही इस दौरान पारंपरिक संगीत और नृत्य की छटा बिखरती है तथा आतिशबाजी का भी खूब रंग-बिरंगा उत्सव देखने को मिलता है।
- इसमें विभिन्न धर्मों की भागीदारी होती है, इसमें हिस्सा लेने वाले लोगों का एक बड़ा तबका ऐसे आस्थावान लोगों का होता है, जो अपनी असाध्य बीमारियों से मुक्ति पाने की इच्छा से यहां आते हैं और बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए मन्नतें मांगते हैं।

मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है

प्रेरक व्यक्तित्व

डॉ. पुरुषोत्तम लाल

पंजाब के मोगा जिले के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले डॉक्टर पुरुषोत्तम लाल का शुरुआती जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा। लेकिन अपने अथक परिश्रम और समाज के लिए कुछ करने के संकल्प के चलते मेडिकल क्षेत्र में उन्होंने अद्वितीय मुकाम हासिल किया। डॉक्टर पुरुषोत्तम भारत में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के फादर कहे जाते हैं। वह देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से विभूषित हैं। डॉ. पुरुषोत्तम लाल के प्रेरक जीवन का सफर उन्हीं की जुबानी।

आसान नहीं था आरंभिक जीवन: मेरा बचपन बहुत संघर्षपूर्ण था। हमारा पूरा ध्यान बस इस बात पर होता था कि घर कैसे चले और पढ़ाई कैसे पूरी हो? हम सभी भाई एक ही लैंप की हल्की रोशनी में पढ़ते थे, जिसकी चिमनी भी टूटी हुई होती थी। लेकिन मेरे अंदर कहीं एक आग जरूर थी, कुछ अलग करने की चाह। मन में यही ख्याल आता था कि जिंदगी में कुछ ऐसा करना है, जिससे अपने परिवार का जीवन बदल सकूं और समाज के लिए भी कुछ कर सकूं। उन्हीं कठिन परिस्थितियों में पले छोटे-छोटे सपने ही मेरी सबसे बड़ी ताकत बने और मुझे इस मुकाम तक लेकर आए।

परिश्रम से पाया मनचाहा मुकाम: मेरा पूरा सफर संघर्ष और मेहनत से भरा रहा है। अपनी लगन और समर्पण के दम पर मैंने नेशनल मेरिट स्कॉलरशिप हासिल की, जो मेरे लिए एक नई उम्मीद लेकर आई। इसी के सहारे मैं अमृतसर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए पहुंचा। वहां भी दिन-रात मेहनत करता रहा और हर चुनौती को एक अवसर की तरह लिया। वर्ष 1975 में अपनी क्लास में टॉप किया। डॉक्टर बनने के बाद मैंने इसे केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका गया, जहां कार्डियोलॉजी में उच्च प्रशिक्षण लिया। वहां के प्रतिष्ठित संस्थानों में काम करते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा, खुद को निखारा।

जन सेवा के लिए देश लौट आया: अमेरिका में मुझे बहुत कुछ मिला, बेहतर सुविधाएं, सम्मान और सीखने के अनगिनत अवसर। लेकिन दिल के किसी कोने में हमेशा एक खालीपन था। जब मैं भारत आता और यहां के मरीजों की हालत देखता, खासकर वे लोग जो पैसों की कमी के कारण इलाज नहीं करा पाते, तो मन बहुत व्यथित हो जाता था। मुझे लगता था कि मेरी असली जरूरत यहां है, अपने देश में है। इसलिए एक दिन मैंने तय किया कि अब वापस अपने देश लौटना है।

मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत: मेरी सोच हमेशा से बहुत मानवीय रही है। तभी मैंने ठान लिया कि एक ऐसा अस्पताल बनाऊंगा, जहां इलाज की गुणवत्ता विश्वस्तरीय हो, लेकिन वह आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत इसी सोच और भावना के साथ हुई, सेवा, संवेदना और सुलभ इलाज के उद्देश्य से।

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में योगदान: मैंने हमेशा कोशिश की कि मरीज को कम से कम तकलीफ हो और इलाज ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी हो। अगर बिना बड़ी सर्जरी के किसी की जान बचाई जा सके, तो इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है। जब मैं देखता हूं कि जिन तकनीकों को हमने अपनाया और आगे बढ़ाया, वे आज हजारों लोगों की जिंदगी आसान बना रही हैं, तो दिल को सुकून मिलता है।

मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान: पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे सम्मान मिलना निश्चित रूप से गर्व की बात है। लेकिन अगर दिल से कहूं, तो मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है। जब कोई मरीज स्वस्थ होकर अपने परिवार के पास लौटता है और आंखों में खुशी के आंसू लेकर धन्यवाद देता है, तो वह किसी भी पुरस्कार से कहीं ज्यादा अनमोल होता है।

युवा डॉक्टरों को संदेश: मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगा कि डॉक्टर बनना सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मरीज आपके पास उम्मीद और विश्वास लेकर आता है। इसलिए हमेशा सीखते रहें, खुद को अपडेट रखें और ईमानदारी से काम करें। सबसे जरूरी बात, अपने अंदर इंसानियत और संवेदनशीलता को जिंदा रखें। तकनीक और ज्ञान आपको एक अच्छा डॉक्टर बना सकते हैं, लेकिन आपकी संवेदना ही आपको महान डॉक्टर बनाती है।

सफलता के मायने: मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम, प्रसिद्धि या पुरस्कार नहीं है। असली सफलता तब होती है, जब आप किसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला सकें। यही सच्ची सफलता है, जो दिल को संतोष देती है। *

प्रस्तुति: हरिभूमि फीचर्स

दुनिया भर में प्रचलित अलग-अलग नृत्य कलाओं के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते विभिन्न प्रदेशों के प्रमुख लोकनृत्यों के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक विविधता के प्रतीक विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य

असम का लोकनृत्य-बिहू

हिमाचल प्रदेश का लोकनृत्य-नाटी

परंपरा

शिखर चंद जैन

भारत विविधताओं का देश है। यहां की यह विविधता सिर्फ भाषा, खान-पान या रहन-सहन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां के लोक नृत्यों में भी रची-बसी है। लोक नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि आम जनमानस के उल्लास, उनकी धार्मिक आस्था और ऋतुओं के चक्र का जीवंत उत्सव भी होते हैं।

बिहू (असम): असमिया नववर्ष (रंगाली बिहू) के अवसर पर किया जाने वाला यह नृत्य अपनी तेज गति और हाथों के संचालन के लिए प्रसिद्ध है। यह नृत्य हाथों के फुर्तीले संचालन और पारंपरिक 'मेखला चादर' वेशभूषा के लिए भी जाना जाता है। यह नृत्य नई फसल तैयार होने की खुशी और प्रकृति के प्रति आभार ज्ञापन करने का प्रतीक भी होता है।

नाटी (हिमाचल प्रदेश): हिमाचल का सबसे लोकप्रिय लोक नृत्य 'नाटी' कुल्लू और शिमला क्षेत्रों में बड़े उत्सवों के दौरान सामूहिक रूप से किया जाता है। सैकड़ों लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर लंबी श्रंखला बनाते हैं और स्थानीय वाद्ययंत्रों की धुन पर कदम से कदम मिलाकर झूमते हैं। इसने 'सबसे बड़े लोक नृत्य' के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया है।

भांगड़ा (पंजाब): पंजाब की मिट्टी की खुशबू और किसानों के उल्लास का प्रतीक है भांगड़ा लोकनृत्य। मुख्य रूप से बैसाखी के पर्व और फसल कटाई के समय किया जाने वाला यह नृत्य अपनी ऊर्जा के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। ढोल की थाप पर रंगीन पगड़ी और लुंगी पहने गबरू जब 'बल्ले-बल्ले' कहते हुए थिरकते हैं, तो दर्शकों के पैर भी अपने आप थिरकने लगते हैं।

पंजाब का लोकनृत्य-भांगड़ा

रासलीला (उत्तर प्रदेश): ब्रज क्षेत्र का यह प्रसिद्ध नृत्य भगवान कृष्ण और राधा के प्रेम और उनकी लीलाओं पर आधारित है। ब्रज की धरती मथुरा-वृंदावन से उपजी 'रासलीला' भगवान श्री कृष्ण और गोपियों के दिव्य प्रेम की कहानी है। इसमें नर्तक अपनी भाव-भंगिमाओं से कृष्ण की बाल लीलाओं और रास को प्रदर्शित करते हैं, जो दर्शकों को सीधे भक्ति की दुनिया में ले जाता है।

घूमर (राजस्थान): राजपूताना आन-बान और शान का प्रतीक 'घूमर' को 'राजस्थान की आत्मा' कहा जाता है। अपनी शालीनता और भव्यता के लिए जाना जाने वाला यह नृत्य, भील जनजाति से आरंभ हुआ और बाद में राजपूताना घरानों की पहचान बना। इसमें महिलाएं बड़े घेरे वाले घाघरा पहनकर गोल-गोल घूमती हैं, जिससे एक सुंदर घेरा बनता है। इसकी धीमी लय और हाथ के सधे हुए संचालन इसे बेहद आकर्षक बनाते हैं।

महाराष्ट्र का लोकनृत्य-लावणी

लावणी (महाराष्ट्र): महाराष्ट्र की कला परंपरा का गौरव 'लावणी' पारंपरिक नृत्य है, जो अपनी लयबद्ध ताल और ढोलकी की थाप के साथ किया जाता है। इसमें महिलाएं नौवारी साड़ी पहनती हैं। नौवारी 9 गज की साड़ी होती है। इस नृत्य के दौरान गाए जाने वाले गीत अकसर समाज, राजनीति और प्रेम पर आधारित होते हैं।

कर्नाटक का लोकनृत्य-यक्षगान

यक्षगान (कर्नाटक): दक्षिण भारत का 'यक्षगान' एक प्राचीन और जटिल नृत्य कला है। यह केवल नृत्य नहीं, बल्कि एक संपूर्ण नाटक है, जिसमें भारी वेशभूषा, चेहरे पर चटकीला श्रंगार और संवादों का प्रयोग होता है। इसकी कहानियां मुख्य रूप से हिंदू महाकाव्यों पर आधारित होती हैं, जो रात भर खुले मैदानों में प्रदर्शित की जाती हैं। *

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल भारतीय नृत्य

भारत की कुछ लोकप्रिय नृत्य शैलियों को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल किया गया है। ये हैं-

गरबा (गुजरात): नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा की प्रतिमा या 'दीप गर्भ' के चारों ओर गोल घेरा बनाकर किया जाने वाला यह नृत्य शक्ति की उपासना का एक माध्यम एवं एकता का प्रतीक है। 'गरबा' के दौरान रंग-बिरंगी चनिया-चोली और कुर्तों में सजे लोग तालियों की लय पर जिस तरह समन्वय बिठाते हैं, वह अद्भुत होता है।

छऊ (झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल): यह एक अर्ध-शास्त्रीय मुखौटा नृत्य है, जिसमें मार्शल आर्ट, कलाबाजियां और लोक परंपराओं का मिश्रण होता है। इसमें रामायण और महाभारत जैसी पौराणिक कथाओं को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया जाता है।

कालबेलिया (राजस्थान): राजस्थान के कालबेलिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला यह नृत्य अपनी लचीली मुद्राओं के लिए जाना जाता है। काली रंग की कढ़ाई वाली पोशाक पहने महिलाएं बीन और ढफ की धुन पर नागिन की तरह लहराते हुए नृत्य करती हैं। इसकी गति इतनी तेज होती है कि देखने वाले अपनी पलकें झपकाना भूल जाते हैं।

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहीं बिना इंटरवल वाली ये फिल्में

वैसे तो दो-ढाई घंटे की फिल्म के बीच में कुछ मिनटों का ब्रेक यानी इंटरवल जरूर होता है। लेकिन बॉलीवुड में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें कोई इंटरवल ही नहीं था। बिना ब्रेक वाली ऐसी ही कुछ अलग तरह की फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में कुछ फिल्मकार ऐसे हुए हैं, जो फिल्मों के तयशुदा फॉर्मूले को चुनौती देते हुए नए प्रयोग करते हैं। बिना गाने वाली फिल्में, सीमित किरदारों पर आधारित फिल्म या एक ही रात में घटित होने वाली घटना पर आधारित फिल्म। ऐसे प्रयोग सिनेमा को नई दिशा देते हैं। इन्हीं में से एक खास प्रयोग रहा बिना इंटरवल की फिल्म, जिसमें दर्शकों को बिना रुके पूरी कहानी के साथ बांधकर रखा जाता है। हालांकि फिल्म में इंटरवल इसलिए रखा जाता है कि दर्शक बीच में थोड़ा रिलैक्स हो जाएं और उसकी कहानी को नए सिरे से एंज्वॉय करें। इंटरवल के बहाने फिल्म की कहानी में मोड़ लाने का मौका भी मिलता है। ऐसे में बिना ब्रेक की फिल्म दर्शकों को नए तरीके का अनुभव देती है।

इसलिए किए गए प्रयोग: भारतीय सिनेमा में इंटरवल सिर्फ दर्शकों को रिलैक्स करने का साधन नहीं, बल्कि एक व्यावसायिक व्यवस्था का भी हिस्सा रहा है। लेकिन कुछ निर्देशकों ने महसूस किया कि खासतौर पर सस्पेंस, थ्रिलर और यथार्थवादी फिल्मों में इंटरवल कहानी की गति को तोड़ देता है। ऐसे में अगर फिल्म की लंबाई सीमित रखी जाए और पटकथा कसावट भरी हो, तो बिना ब्रेक दर्शकों को अधिक प्रभावशाली अनुभव दिया जा सकता है। यही कारण है कि हिंदी फिल्म इतिहास में कुछ चुनिंदा फिल्में ऐसी बनीं, जिनमें इंटरवल नहीं रखा गया। वे फिल्में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं।

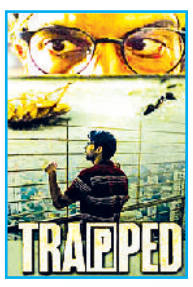

मर्डर मिस्ट्री 'इत्तेफाक': बिना इंटरवल के फिल्म बनाने की दिशा में सबसे चर्चित और शुरुआती प्रयोग 'इत्तेफाक' (1969) के रूप में सामने आया, जिसे यश चोपड़ा ने निर्देशित किया था। यह फिल्म अपने समय से काफी आगे की सोच का परिणाम थी। इस फिल्म में न तो कोई गीत था और न ही इंटरवल। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री पर आधारित थी, जो अंग्रेजी नाटक 'साइनपोस्ट टू मर्डर' से प्रेरित थी। राजेश खन्ना ने इसमें एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई, जिस पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप होता है और वह पुलिस से बचने के लिए एक घर में शरण लेता है। उस घर की मालकिन, जिसकी भूमिका नंदा ने निभाई, खुद एक रहस्य छुपाए हुए होती है। फिल्म की कहानी इतनी तेज और रोचक ढंग से आगे बढ़ती है कि दर्शकों को इंटरवल की जरूरत महसूस ही नहीं होती। लगभग डेढ़ घंटे की इस फिल्म को कम समय में शूट किया था, लेकिन इसकी कहानी की कसावट और रोमांच ने इसे यादगार बना दिया।

सामाजिक यथार्थ को दर्शाती 'धोबी घाट': फिल्म 'धोबी घाट' का निर्देशन किरण राव ने किया था। इस फिल्म में आमिर खान मुख्य भूमिका में नजर आए, लेकिन यह पूरी तरह से स्टार-ड्रिवन फिल्म नहीं थी। यह मुंबई शहर के अलग-अलग सामाजिक और भावनात्मक स्तरों पर जी रहे चार लोगों की कहानी है। मोनिका डोगरा, प्रतीक बब्बर और कृति मल्होत्रा द्वारा निभाए गए किरदारों के जरिए फिल्म यह दिखाती है कि सपनों के शहर में हर व्यक्ति अपने-अपने संघर्षों और अधूरी इच्छाओं के साथ जी रहा है। फिल्म का स्वर बहुत ही यथार्थवादी और संवेदनशील है। इसकी सीमित अवधि और बिना इंटरवल के प्रस्तुतीकरण की वजह से दर्शक लगातार पात्रों की दुनिया में डूबे रहते हैं।

क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती 'ट्रैप्ड': विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव ने एक ऐसे युवक की भूमिका निभाई है, जो मुंबई के एक सुनसान अपार्टमेंट में फंस जाता है। उसके पास न खाना है, न पानी, न बिजली और न बाहर निकलने का कोई आसान रास्ता। पूरी फिल्म उसी के संघर्ष, भय और जीवित रहने की कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमती है। बिना इंटरवल के यह कहानी दर्शकों को उसकी स्थिति में बांध देती है और एक तरह का क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती है। 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव के अभिनय और फिल्म के प्रयोगात्मक स्वरूप की काफी सराहना हुई।

ये फिल्में भी नहीं करतीं ब्रेक की डिमांड: बॉलीवुड में कुछ और फिल्में भी हैं, जिनमें इंटरवल का प्रभाव लगभग समाप्त कर दिया गया या जिन्हें बिना ब्रेक के देखने पर ही इसका असर अधिक महसूस होता है। 'ए वेडनेसडे' जैसी फिल्म अपनी तेज रफ्तार और सीमित समय अवधि के कारण बिना इंटरवल के अधिक प्रभावी लगती है। इसी तरह 'कौन' जिसे राम गोपाल वर्मा ने बनाया, भी सीमित किरदारों और एक ही लोकेशन में घटित होने वाली कहानी के कारण बिना ब्रेक ज्यादा असरदार अनुभव देती है।

आज कितना प्रासंगिक है फिल्मों में इंटरवल: आज जब ओटीटी प्लेटफॉर्म का दौर है और दर्शक बिना किसी व्यवधान के फिल्में देखते हैं, तब इंटरवल की अवधारणा पहले जितनी अनिवार्य नहीं रह गई। अब कहानी की मांग के अनुसार ही फिल्म की संरचना तय की जाती है। फिर भी सिनेमाघरों में इंटरवल का चलन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। क्योंकि यह फिल्म प्रदर्शन की परंपरा और व्यवसाय से भी जुड़ा हुआ है। बिना इंटरवल की फिल्में यह साबित करती हैं कि अगर कहानी में दम हो और प्रस्तुति में कसावट हो, तो दर्शकों को बिना किसी ब्रेक के भी पूरी तरह बांधकर रखा जा सकता है। यह प्रयोग भले कम किया गया हो, लेकिन जब भी किया गया, उसने सिनेमा को एक नई दृष्टि दी और यह दिखाया कि कहानी कहने के तरीके हमेशा बदल सकते हैं। *